RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः277, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एमजीसीयू में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, स्वास्थ्य सजगता पर जोर 03

जमुई में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद 04

सोनम बाजवा का एक दीवाने की दीवानियत ट्रेलर आउट फैन्स बोले इस... 07

एक बॉर्डर पर तालिबान तो दूसरे पर भारत का घेरा

● टू फ्रंट वॉर में फंसे पाकिस्तान को सता रहा ऑपरेशन का डर

रक्षा मंत्री खुद बोले-ऑपरेशन सिंदूर 2.0 कर सकता है भारत

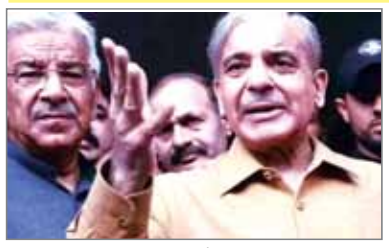

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी मीडिया को भारत के हमले का डर सता रहा है। पाक मीडिया को लगता है कि अफगानिस्तान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच भारत भी अटैक कर सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इससे इनकार नहीं किया है। आसिफ का कहना है कि भारत की ओर से हमला हो सकता है। हमें ऐसी किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने की जरूरत है। आसिफ ने कहा कि हम इस तरह के हमले की संभावना को देखते हुए अपनी तैयारी भी कर रहे हैं। समा टीवी ने अपने एक प्रोग्राम में एंकर ने कहा कि पाक आर्मी दो मोर्चों पर युद्ध लड़ रही है। पश्चिमी सीमा (अफगान बॉर्डर) पर गंभीर झड़पें हुई हैं। वहीं पूर्व में भारत भी ऑपरेशन सिंदूर का दूसरे चरण कर सकता है। पाक मीडिया ने कहा कि भारत का हमला कभी भी हो सकता है।

रंगे हाथों घूस लेते पंजाब पुलिस के डीआईजी हो गए गिरफ्तार

● सीबीआई ने ट्रैप लगाकर दबोचा, फंस गए हरचरण भुल्लर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार और एएसआई संदीप कुमार लाठर की सुसाइड से मचे बवाल के बीच अब पड़ोसी राज्य पंजाब से बड़ी खबर आ रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने रोपड़ रेंज के डीआईजी और भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उन्हें कहां से गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें मोहाली से गिरफ्तार किया गया है। मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी से जुड़े मामले में यह कार्यवाही हुई है। कारोबारी की तरफ से उनके खिलाफ शिकायत दी गई थी, जिसके बाद सीबीआई ने ट्रैप लगाकर उन्हें दबोचा। इससे पंजाब पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सीबीआई जल्द ही डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को स्पेशल कोर्ट में पेश कर सकती है। डीआईजी रोपड़ रेंज हरचरण भुल्लर पर एक मामले में राहत देने के एवज में पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। सीबीआई ने यह कार्रवाई पूरी गोपनीयता के साथ की। जैसे ही डीआईजी ने रिश्वत की रकम पकड़ी, टीम ने मौके पर ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

हमारी प्राथमिकता देश के लोग, कुछ और नहीं

ट्रंप के तेल के दावों पर भारत सरकार की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दावा किया गया था कि भारत ने रूस से तेल की खरीद रोक दी है। इस पर भारत सरकार की ओर से दोटूक जवाब दिया गया है कि हमारी प्राथमिकता देशवासियों का हित है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत बड़े पैमाने पर गैस और तेल का आयात करता है। हमारी लगातार यही प्राथमिकता रही है कि उथल-पुथल भरे बाजार में भारतीय उपभोक्ताओं को हितों को साधा जाए। हमारी इंपोर्ट की पॉलिसी पूरी तरह इसी उद्देश्य पर आधारित है। हम किसी अन्य कारक से प्रभावित होकर फैसले नहीं लेते। भारत सरकार का यह जवाब डोनाल्ड ट्रंप की उस बात पर आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद बंद हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,हम बाजार की स्थिति को देखते हुए अलग-अलग देशों से डील करते हैं। अमेरिका की बात है तो हमने उसके साथ भी खरीद की है।

तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच नहीं थम रहा विवाद

● सुप्रीम कोर्ट पहुंचा शारीरिक शिक्षा और खेल विवि संशोधन विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में सरकार और राज्यपाल के बीच चल रहा विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। राज्य सरकार ने राज्यपाल के उस अवैध और असंवैधानिक फैसले को चुनौती दी, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु

शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति की स्वीकृति देने के बजाय उसे राष्ट्रपति के पास भेजने का फैसला किया था। दरअसल, मुख्य सचिव के माध्यम से दायर राज्य की रिट याचिका में राज्यपाल, भारत संघ और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका में यह मांग की गई है कि विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखने का राज्यपाल का कार्य स्पष्ट रूप से असंवैधानिक, संविधान के अनुच्छेद 163(1) और 200 का उल्लंघन करने वाला है।

आज दुनिया हमें मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही : पीएम

● मोदी बोले-21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की होगी

पीएम ने कहा-वजह है आत्मनिर्भर भारत का विजन

नंदयाल/कुर्नूल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के कुर्नूल में 13,430 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे तब भारत 'विकसित भारत' बन चुका होगा। मैं दावे से कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की,140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होने वाली है। आज दुनिया, भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है, आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। इसके पहले मोदी नांदयाल पहुंचे। मोदी ने यहां श्रीशैलम में भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन,पूजा और ध्यान किया।

हमारा ध्यान कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर

विकसित भारत के लक्ष्य को तेज़ी से प्राप्त करने के लिए, देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गांवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर है। हमारी सरकार का विजन है, सिटिजन सेंट्रिक डेवलपमेंट। हम लगातार नए रिफॉर्म के जरिए नागरिकों के जीवन को आसान बना रहे हैं। देश में 12 लाख रुपए तक की आय पूरी तरह टैक्स फ्री हो चुकी हैं। सस्ती दवाइयां, सस्ता इलाज, बुजुर्गों के लिए आयुष्मान जैसी अनगिनत सुविधाओं से इज ऑफ लिविंग का नया अध्याय शुरू हुआ है। आंध्र में मैन्यूफैक्चरिंग में तेजी से बढ़ रहा है। नाइट विजन फ़ैक्ट्री का उद्घाटन आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की नई ताकत बन रहा

आंध्र प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत की सफलता का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। कांग्रेस सरकारों ने आंध्र प्रदेश की क्षमताओं की उपेक्षा करके पूरे देश को नुकसान पहुंचाया है। जो राज्य पूरे देश को आगे बढ़ा सकता था, वह खुद अपने विकास के लिए संघर्ष कर रहा है। मुझे खुशी है कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में आंध्र प्रदेश की छवि बदली है। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में, आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की एक नई ताकत बन रहा है। मोदी ने कहा कि नया इंटरनेशनल सब-सी गेटवे बनाया जाएगा। इसमें कई अंतर्राष्ट्रीय सब-सी केबल शामिल होंगे, जो भारत के पूर्वी तट पर विशाखापट्टनम तक पहुंचेंगे। यह परियोजना विशाखापट्टनम को एआई और कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। यह न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया की सेवा करेगा। मैं इसके लिए आंध्र प्रदेश के लोगों को विशेष बधाई देता हूं और चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शिता की सराहना करता हूं। मेरा सौभाग्य है कि मेरा जन्म दादा सोमनाथ की धरती गुजरात में हुआ। बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में सेवा करने का अवसर मिला।

सीजेआई पर जूता फेंकना राकेश किशोर को पड़ा भारी

● बढ़ गई मुश्किलें,अवमानना का केस चलाने को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश करने वाले राकेश किशोर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने गुरुवार को जूताकांड में राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई चलाने की अपनी मंजूरी दे दी

है। भगवान विष्णु पर सीजेआई गवई की टिप्पणी से नाराज राकेश किशोर ने छह अक्टूबर को उन पर भरी कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, बाद में सीजेआई ने उन्हें माफ करते हुए कोई भी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। अटॉर्नी जनरल द्वारा अवमानना की मंजूरी दिए जाने की बात की जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तब दी, जब सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने इस मामले को उठाया।

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

आज 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ,8 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात सरकार के सभी मंत्रियों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया है। सीएम भूपेंद्र पटेल कुछ देर में राज्यपाल को मंत्रियों का इस्तीफा सौंपेंगे। कल गांधीनगर में सुबह 11.30 बजे नई कैबिनेट का शपथ समारोह होगा। सरकार के 16 में से 8 मंत्रियों के बदले जाने की संभावना है। गुजरात की मौजूदा कैबिनेट में सीएम पटेल समेत 17 मंत्री हैं। जिसमें आठ कैबिनेट रैंक के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री हैं। सभी भाजपा विधायकों और मंत्रियों को 2 दिन तक गांधीनगर में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिन विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिलनी है, उन्हें फोन कर सूचना दे दी गई है। शपथ समारोह में भाजपा के केंद्रीय नेताओं अमित शाह, जेपी नड्डा की उपस्थिति में होगा। नए मंत्रिमंडल में 16 में से 7-10 मंत्रियों को ड्रॉप करने और 3-5 मंत्री रिपीट किए जा सकते हैं।

जैसलमेर अग्निकांड में बस मालिक और ड्राइवर गिरफ्तार

● परिवार में 3 मौत तो 25 लाख मिलेंगे,घायलों को 2-2 लाख देगी सरकार

जोधपुर/जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर बस अग्निकांड में पुलिस ने बुधवार रात बस मालिक तुराब अली और ड्राइवर शौकत को गिरफ्तार कर लिया। एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया कि इस मामले में 2 एफआईआर दर्ज हुई थी। इधर, पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। जिस परिवार में तीन या इससे ज्यादा लोगों की जान गई है, उन्हें कुल 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। एक परिवार से एक या दो मौत होने पर प्रति व्यक्ति 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे। गंभीर घायलों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साधारण रूप से घायल हुए लोगों को एक-एक लाख रुपए मिलेंगे।

अपराधी की चाल से तेज होनी चाहिए न्याय की पहुंच

अमित शाह ने कहा-पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है, जो कानून के शासन और सुरक्षित सीमाओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वह दिल्ली में सीबीआई द्वारा आयोजित 'फरार अपराधियों के प्रत्यर्पण चुनौतियां और रणनीतियां' विषय पर सम्मेलन में बोल रहे थे। अमित शाह ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत कानून के शासन और सुरक्षित सीमाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। इस सम्मेलन के जरिए हम वैश्विक स्तर पर संचालन, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाने का प्रयास करेंगे। गृह मंत्री ने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया ताकि फरार अपराधियों को लाया जा सके।

बिहार एसआईआर से चुनाव आयोग ने ली सीख

● अब पश्चिम बंगाल में ढील देने की शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर उठे विवादों और कानूनी चुनौतियों के बाद, चुनाव आयोग अब इस प्रक्रिया में बड़े बदलाव करने जा रहा है। इसका उद्देश्य मतदाताओं की परेशानियों को कम करना और प्रक्रिया को मतदाता अनुकूल बनाना है। बिहार में एसआईआर के दौरान दस्तावेजों की जटिल मांग, फॉर्म न भरने पर नामों की बड़ी संख्या में हटाई गई प्रविष्टियां (डिलीशन) और बहुत कम समय सीमा जैसी समस्याओं को लेकर मतदाताओं में असंतोष था। अब आयोग इन तीनों बिंदुओं पर लचीलापन लाने की योजना बना रहा है। बिहार में पहली बार हर मतदाता से नए दस्तावेजों की मांग की गई थी।

पंजाब में बड़ी साजिश रच रही है आईएसआई

● हथियारों की तस्करी में पांच गुना तक कर ली वृद्धि ● खालिस्तानी गुटों को आईएसआई दे रही भारी रकम

अमृतसर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव के बीच पंजाब में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस) एक बड़ी साजिश रच रही है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी में पिछले साल की तुलना में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस साल अब तक 362 हथियार जब्त किए जा चुके हैं जिनमें एके-47 राइफलें, ग्रेनेड और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेस शामिल हैं। वहीं 2024 में यह संख्या महज 81 थी। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह उछाल भारत की ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उपजी पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। बताया जा रहा है कि कुल बरामद हथियारों में से करीब एक-तिहाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब्त किए गए हैं। एजेंसियों की सतर्कता से तस्करी नेटवर्क्स को ध्वस्त किया गया है।

● **पाक की साजिश में शामिल खालिस्तानी**- पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बातचीत में कहा, हमने सीमा पार से भेजे जा रहे अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी को नाकाम किया है और कई आतंकी साजिशों को समय रहते विफल किया है। उन्होंने बताया कि यह सफलता पंजाब पुलिस, काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट, स्पेशल सर्विस ऑपरेशन सेल, सीमा सुरक्षा बल और केंद्रीय एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से संभव हुई है। जांच में खुलासा हुआ है कि अमेरिका, कनाडा और अन्य देशों में सक्रिय गैंगस्टर और आतंकी संगठन न केवल बब्बर खालसा इंटरनेशनल जैसे समूहों के सदस्यों को हथियार उपलब्ध करा रहे हैं, बल्कि संगठित अपराध को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहटा में जुए के अड्डे पर छापा, 10 गिरफ्तार, 30 हजार नगद, 8 मोबाइल और 3 बाइक बरामद

पटना। पटना के बिहटा थानाक्षेत्र में पुलिस ने जुए के एक अड्डे पर छापेमारी कर 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने मौके से 30 हजार रुपए नगद, 8 मोबाइल फोन, 3 बाइक और 2 प्लेइंग कार्ड जब्त किए हैं। गिरफ्तार जुआरियों की पहचान सुभाष रॉय, राजेश कुमार यादव, छोटू कुमार, अजय कुमार, सरबिंद पासवान, अमर कुमार, अनीश कुमार, सूरज कुमार, धनंजय कुमार और रणधीर कुमार के रूप में हुई है। ये सभी बिहटा थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के निवासी हैं। साथ ही गिरफ्तार सभी अपराधियों से पुलिस पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान में जुट गई है। पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पटना पुलिस अवैध जुए के अड्डों और अपराध के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि बिहटा पुलिस को आनंदपुर और रायडी गांव में अवैध रूप से जुआ चलने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की और मौके से इन 10 युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बरामद की गई सभी वस्तुएं जुए के कारोबार में इस्तेमाल की जा रही थीं। दीपावली और छठ पूजा को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी। दीपावली में खास तौर पर जुए का कारोबार चलता है। ऐसे में पटना पुलिस की टीम कार्रवाई करते रहेगी।

जदयू प्रवक्ता का अनंत सिंह के प्रचार से इनकार, बोले, पृष्ठभूमि आपराधिक रही है

पटना। बहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए जदयू प्रत्याशी श्याम रजक ने बुधवार को फुलवारी शरीफ विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। इसके बाद वे फुलवारी शरीफ पहुंचे, जहां उन्होंने एक आशीर्वाद सभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मोकामा के जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह के चुनाव प्रचार में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया। नीरज कुमार ने कहा कि वे अनंत सिंह के लिए कभी चुनाव प्रचार नहीं करेंगे। नीरज कुमार ने स्पष्ट किया कि पार्टी अनंत सिंह की छवि से वाकिफ है। उन्होंने अनंत सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिनकी पृष्ठभूमि आपराधिक रही है और जिनकी पूंजी अपराध है, वे ऐसे किसी भी व्यक्ति या प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार में नहीं जाएंगे। ऐसे प्रत्याशी के लिए प्रचार करके अपने माथे पर 'कलंक का टीका' नहीं लगाना चाहते हैं। नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि तेजस्वी यादव को विधायक फंड से अति पिछड़ा और दलितों के लिए दिए गए हिस्सेदारी पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर संशय को लेकर उन्होंने सवाल उठाया कि यह कैसा गठबंधन है, जहां राजद ने अभी तक सीटों की घोषणा नहीं की है। जदयू प्रत्याशी श्याम रजक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि फुलवारी शरीफ में पिछले 5 वर्षों से रुके हुए विकास कार्यों को अब वे प्राथमिकता से पूरा कराएंगे। इस मौके पर दानापुर से भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री राम कृपाल यादव सहित कई मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

वैशाली पुलिस ने 65 ग्राम हेरोइन की जब्त, चेकिंग में 4 तस्कर धर दबोचे, 3 मोबाइल और 1वाटर हीटर बरामद

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र में सक्रिय एक बड़े हेरोइन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 65.870 ग्राम हेरोइन बरामद करते हुए 4 तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सीएपीएफ बल के सहयोग से चलाए जा रहे सघन अभियान का हिस्सा है। नगर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि, कुछ मादक पदार्थ तस्कर एक चार पहिया वाहन से हाजीपुर स्टेशन रोड से पुरानी गंडक पुल होते हुए सोनपुर की ओर जा रहे हैं। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में दंडाधिकारी, वैशाली पुलिस और सीएपीएफ बल के अधिकारी शामिल थे। टीम ने पुरानी गंडक पुल रोड पर वाहन चेकिंग शुरू की। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध रेनॉल्ट काइगर कार को रोका गया, जिसमें चार व्यक्ति सवार थे। वाहन और सवार लोगों की तलाशी में 65.870 ग्राम हेरोइन, तीन मोबाइल फोन, एक वाटर हीटर और अन्य सामान बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शत्रुधन कुमार, रवि कुमार, रूदल कुमार (सभी रुस्तमपुर, वैशाली निवासी) और राहुल कुमार उर्फ गुंजन सिंह (नौरू, जहानाबाद निवासी) के रूप में हुई है। पूछताछ में अभियुक्तों ने हेरोइन के स्रोत और खरीदारों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस संबंध में नगर थाना में कांड संख्या 1268/25, दिनांक 15.10.25 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं 8(C)/21(c)/22/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश में है।

हाजीपुर में बोले जदयू अध्यक्ष-प्रशांत किशोर चुनौती नहीं, बिहार में फिर बनेगी एनडीए सरकार

हाजीपुर। वैशाली में JDU प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने NDA में 'चट्टानी एकता' का दावा किया है। उन्होंने कहा कि, गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में फिर से NDA की सरकार बनेगी। कुशवाहा ने प्रशांत किशोर को NDA के लिए कोई चुनौती मानने से इंकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, "मेरे लिए प्रशांत किशोर चुनौती नहीं हैं।" JDU अध्यक्ष ने यह भी टिप्पणी की कि प्रशांत किशोर केवल मीडिया में दिखते हैं और चुनाव के बाद बंगाल चले जाएंगे। उन्होंने बताया कि गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे से संबंधित सभी मुद्दे सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिए गए हैं और अब कोई मतभेद नहीं है। इसके विपरीत, उन्होंने महागठबंधन पर आरोप लगाया कि उनके पास न कोई नीति है और न कोई नेता, और उनमें टिकट को लेकर आंतरिक विवाद चल रहा है। JDU अध्यक्ष ने कहा कि, बिहार की जनता यह अच्छी तरह समझ चुकी है कि कौन उन्हें केवल 'सुनहरा सपना' दिखाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि वे बिहार के 14 करोड़ लोगों और हर एक परिवार के प्रति समर्पित हैं। अपने व्यक्तिगत अनुभव पर बोलते हुए, उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्होंने 'मेहनत की मिट्टी' से जन्म लिया है। उन्होंने बताया कि उनके नामांकन के दौरान सभी जाति और धर्मों के लोग उन्हें समर्थन देने पहुंचे थे।

बीजेपी ने वैशाली में 3 मौजूदा विधायकों को दिया टिकट

हाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी ने वैशाली जिले की तीन विधानसभा सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया है। ये तीनों प्रत्याशी आज अपना नामांकन दाखिल करेंगे। पार्टी ने हाजीपुर से अवधेश सिंह, पातेपुर से लखेंद्र कुमार पासवान और लालगंज से संजय कुमार सिंह पर दोबारा भरोसा जताया है। हाजीपुर विधानसभा सीट से अवधेश सिंह को टिकट दिया गया है। वे इस सीट से लगातार तीन बार विधायक रह चुके हैं, जिसके बाद पार्टी ने चौथी बार उन पर विश्वास व्यक्त किया है। पातेपुर विधानसभा सीट से लखेंद्र कुमार पासवान को उम्मीदवार बनाया गया है। वे वर्तमान में इस सीट से विधायक हैं। पार्टी ने उनके प्रदर्शन को देखते हुए दूसरी बार उन्हें मौका दिया है। वहीं लालगंज विधानसभा सीट से संजय कुमार सिंह को टिकट मिला है। 56 वर्षीय संजय कुमार सिंह राजपूत समुदाय से आते हैं और स्नातक हैं। वे भी इस सीट से वर्तमान विधायक हैं।

पटना गोलीकांड मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, हथियार भी हुए बरामद

पारिवारिक विवाद में हुई थी फायरिंग, दो लोग घायल

एजेंसी, पटना

पटना के नदी थाना क्षेत्र के सम्मसपुर गांव में बुधवार को हुए गोलीबारी मामले का फतुहा एसडीपीओ अवधेश कुमार ने खुलासा किया है। यह घटना एक पारिवारिक विवाद के कारण हुई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से हथियार बरामद किए हैं। एसडीपीओ ने बताया कि बुधवार को सम्मसपुर निवासी सगे भाइयों - टिपू सिंह उर्फ अमित कुमार सिंह और अमर सिंह के बीच पुराने पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। इस दौरान, टिपू सिंह के पक्ष के लोगों ने अमर सिंह के पक्ष के रूपेश कुमार और विशाल कुमार को गोली मारकर घायल कर दिया। दोनों घायलों का इलाज पीएमसीएच में चल रहा है। इस संबंध में नदी थाना में कांड संख्या-291/25 दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए गठित पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और तीन मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सम्मसपुर निवासी अशोक कुमार सिंह के पुत्र टिपू सिंह उर्फ अमित कुमार सिंह, उनका पुत्र आकाश कुमार उर्फ हनी और रामस्वरूप सिंह का पुत्र बबलू सिंह शामिल हैं।

वहीं, लल्लू कुमार उर्फ अमृत अभी फरार चल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से एक अवैध देशी कट्टा, दो चक्र जिंदा कारतूस, एक लाइसेंसी राइफल, 56 जिंदा कारतूस और एक एयर गन बरामद की है। एसडीपीओ अवधेश कुमार ने बताया कि इस सफल कार्रवाई में थानाध्यक्ष शंकर कुमार झा सहित नदी थाना के कई अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

तीन वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

गैर जमानती वारंट जारी था, बदमाशों के घर पर की गई छापेमारी

धनरूआ थाना की पुलिस ने वांछित 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थाना अध्यक्ष आलोक कुमार के नेतृत्व में हुई है। अभियुक्तों के खिलाफ धनरूआ थाना कांड संख्या 273/20 के तहत गैर-जमानती वारंट (NBW) जारी थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में मोहन पासवान, राजकुमार पासवान और राजनंदन पासवान उर्फ राजनाथ पासवान शामिल हैं। ये सभी पटना जिले के धनरूआ थाना अंतर्गत भगवानपुर के निवासी हैं। न्यायालय की ओर से इनके विरुद्ध गैर जमानती वारंट निर्गत किए गए थे।

संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपीलः थाना अध्यक्ष आलोक कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों अभियुक्तों को उनके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। पुलिस का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। थाना अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने वाले, वारंटी, फरार और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। धनरूआ थाना प्रशासन चुनाव के दौरान क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जेडीयू प्रदेश महासचिव गिरफ्तार, नौकरी के लिए 10 लाख रुपए ठगने का आरोप

एजेंसी, पटना

जेडीयू के प्रदेश महासचिव डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार चंद्रवंशी को जक्कनपुर थाने की पुलिस ने फ्रॉड के मामले में बुधवार की देर रात गिरफ्तार किया है। इनपर आरोप है कि दरभंगा के सकतपुर निवासी नितेश कुमार से नौकरी के नाम पर रुपए ठगे हैं। पीड़ित नितेश कुमार ने आरोप लगाया है कि डॉक्टर धर्मेंद्र चंद्रवंशी के यहां मेरे बहनोई श्रवण कुमार टेक्नीशियन हैं। मैं डॉक्टर धर्मेंद्र की क्लिनिक पर आता-जाता था। इसी बीच एक दिन धर्मेंद्र से बहनोई ने मुलाकात कराई।

धर्मेंद्र ने पूछा क्या करते हो, तो मैंने बताया बेरोजगार हूं। उन्होंने कहा कि नौकरी करोगे, लगवा दूंगा, लेकिन इसके लिए रुपए खर्च करने होंगे। इस बात पर मैं राजी हो गया। 2019 से 2020 तक कई किश्तों में लगभग 10 लाख रुपए दे दिए। हर बार पूछने पर बस यही बोलते रहे कि बस 2 से 3 महीने में काम हो जाएगा, लेकिन अभी तक नहीं हुआ है। रुपए मांगने पर इनकार कर रहे हैं।

किस विभाग में नौकरी लगनी थी, ये अभी क्लियर नहींः फिलहाल नितेश कुमार की ओर से स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर धर्मेंद्र चंद्रवंशी ने रुपए लिए थे। पुलिस आवेदक से यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है। धर्मेंद्र कुमार चंद्रवंशी का नाम 2023 में जमीन से संबंधित फर्जी डॉक्यूमेंट में सामने आया था, लेकिन पुलिस की कार्रवाई से पहले जमानत मिल गई थी।

पीड़ित ने कहा- पैसे मांगने पर नहीं दे रहे

पटना-बाढ़ सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

एजेंसी, पटना

पटना और बाढ़ सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। इमेल में लिखा है कि, कोर्ट परिसर में RDX रखा गया है। इस सूचना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। फिलहाल आधिकारिक तौर पर पटना SSP को कोर्ट की ओर से इन्फॉर्म किया गया है। बम की सूचना के बाद आनन-फानन में कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है। फिलहाल सिविल कोर्ट को बंद कर दिया गया है। अधिवक्ता अंजुम बारी ने कहा कि धमकी मिलने की यह चौथी घटना है।

रजिस्ट्रार के मेल पर आया धमकी वाला मैसेजः सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार के मेल पर 11 बजे धमकी मिली। इसके बाद प्रशासन को सूचना दी गई। बताया गया कि, एक ईमेल आया है, जिसमें लिखा है- 16.10.2025 को सिविल कोर्ट, पटना परिसर में RDX IED लगाए गए हैं। इस बारे में पटना एसएसपी को जानकारी दी गई, डिसके बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर परिसर खाली करने का अनुरोध किया है।

2 महीने पहले भी मिली थी धमकीः इससे पहले 28 अगस्त को पटना सिविल कोर्ट को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ई-मेल में लिखा गया, '4RDX ILEDs न्यायधीश के रूम और कोर्ट कैंपस में लगाए हैं। यह अभियान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के सहयोग से किया गया है।' 'बिहार से तमिलनाडु आने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या बढ़ने से तमिलनाडु की स्थानीय जनसंख्या की संरचना प्रभावित हो रही है।'

4 घंटे सर्च ऑपरेशन चला थाः धमकी का मेल मिलने के बाद सभी जज और वकीलों को कोर्ट कैंपस से बाहर निकाल दिया गया थी। 4 घंटे तक पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कुछ नहीं मिला। वकील ऋषिकेश नारायण सिन्हा ने बताया था, 'एक दिन पहले मेल आया था। अब जांच हो रही है। पूरी तरह से लापरवाही का मामला है। लगातार यह दूसरी बार धमकी आई है। इससे पहले भी धमकी आई थी। जानकारी जिस वक्त दी गई, उस वक्त हम लोग काम कर रहे थे। इसी बीच यह सूचना दी गई। अफरातफरी का माहौल है। सब जल्दी जल्दी बाहर भाग रहे हैं। जज वगैरह निकल चुके हैं। अंदर जांच पड़ताल चल रही है। डॉग स्क्वॉड की टीम आई है।'

अधिवक्ता बोले- 100 वकीलों की मौत के बाद जागेगी सरकार

धमकी के बाद कोर्ट कैंपस खाली कराया गया, जांच जारी हैः अधिवक्ता सागर उज्जवल प्रकाश ने कहा कि पटना सिविल कोर्ट में रोज की तरह सुबह से चहल-पहल थी। अधिवक्ता अपनी फाइल लेकर संबंधित कोर्ट में गए थे कि अचानक पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के यहां से सूचना आई कि एक बार फिर किसी ने कोर्ट परिसर में एक्सप्लोसिव की धमकी दी है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने पटना सिटी व्यवहार न्यायालय में भी सूचना भेजवाई। आनन-फानन में यहां तैनात पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों ने संबंधित न्यायाधीश, कर्मचारी, अधिवक्ता, क्लाइंट से कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया है। फिलहाल जांच पड़ताल का दौरा जारी है। कुछ अधिवक्ता अपने घर चले गए हैं। तो वहीं कोर्ट कैंपस के बाहर महात्मा गांधी सेतु के नीचे बैठकर खुले में काम करने वाले अधिवक्ता अभी भी डटे हुए हैं। फिलहाल डर के बीच कोर्ट परिसर में पुलिस और इक्का-दुक्का व्यक्ति ही दिखाई दे रहे हैं।

तेजप्रताप की जनशक्ति जनता दल ने उतारा उम्मीदवार, बिक्रम विधानसभा से अजीत कुशवाहा करेंगे नामांकन

एजेंसी, पटना

तेजप्रताप यादव की नवगठित जनशक्ति जनता दल ने अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। पार्टी ने पटना जिले की बिक्रम विधानसभा सीट से अजीत कुशवाहा को अपना प्रत्याशी बनाया है। अजीत कुशवाहा वर्तमान में बिक्रम प्रखंड की नगहर पंचायत के मुखिया हैं और राजनीति में अच्छी पकड़ रखते हैं। राजद से अलग होने के बाद तेजप्रताप यादव ने जनशक्ति जनता दल का गठन किया है। अब तक पार्टी ने 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है। अजीत कुशवाहा ने बिक्रम विधानसभा को बिहार की 'हॉट सीट' बताया। उन्होंने कहा कि बिक्रम की जनता सब कुछ जानती है और सही जवाब देगी। कुशवाहा ने तेजप्रताप यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें इस पद के योग्य समझा और अपनी पार्टी से उम्मीदवार बनाया। अजीत कुशवाहा 17 अक्टूबर को बिक्रम प्रखंड मुख्यालय में अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

एनडीए की सरकार में विकास नहीं हुआः चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव में इस बार मेरा मुख्य मुद्दा होगा विक्रम विधानसभा का विकास, क्योंकि 20 साल से एनडीए की सरकार रही लेकिन विक्रम विधानसभा का विकास नहीं हो सका। विक्रम की जनता को रोजगार के अलावा कई अन्य विकास की जरूरत है। विक्रम विधानसभा की जनता रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जा रही है। अगर बात करें पटना के विक्रम विधानसभा के इतिहास के बारे में तो विक्रम विधानसभा से लगातार भूमिहार जातियों का कब्जा रहा है और हर पार्टियां भूमिहार जाति को टिकट देते आ आई है, लेकिन इस बार तेज प्रताप यादव की नई पार्टी ने एक ओबीसी कुशवाहा जाति को टिकट दिया है। अब देखना होगा कि कितना फायदा होता है क्या जानता इस पर विश्वास करेगी।

♦ कहा– बिक्रम इस बार बिहार का हॉट सीट

बिहार में केवल कमल, कमल और कमल ही खिलेगा

पटना में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बोले- तेजस्वी कितना भी जीत का दावा करें, सरकार एनडीए की बनेगी

एजेंसी, पटना

पटना में आज भाजपा के कुम्हरार विधानसभा प्रत्याशी संजय गुप्ता के नामांकन के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एनडीए के पक्ष में चुनावी बिगुल फूंका। वे पटना समाहरणालय पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनाने का दावा किया।

मोहन यादव बोले- केवल कमल, कमल, कमलः मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'केवल कमल, कमल, कमल। बिहार में फिर एक बार केंद्र के नेतृत्व और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी'। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है और बिहार में भी वही विकास मॉडल लागू होगा।

तेजस्वी यादव पर निशानाः तेजस्वी यादव के दावों पर जवाब देते हुए मोहन यादव ने कहा, 'चुनाव है, हर पार्टी जीत का दावा तो करेगी ही, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि जनता अब समझ चुकी है कि स्थिर और विकास मुखी सरकार कौन दे सकती है। बिहार में लोगों का विश्वास एनडीए के साथ है'।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टीः मोहन यादव ने आगे कहा कि पूरा देश और दुनिया जानती है कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। और यहाँ बिहार में नीतीश कुमार के साथ मिलकर एनडीए सरकार बनाएगी। केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर एकजुट सरकार बनने से बिहार के विकास को नई गति मिलेगी।

वकील के चेंबर में बैठा था रसेल वाइपर, वकीलों ने जताया गुस्सा

कहा- किसी की जान भी जा सकती है, साफ-सफाई नहीं रहती

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट में आज अधिवक्ता विनय कुमार के चेंबर में रसेल वाइपर सांप छिपकर बैठा था। जैसे ही अधिवक्ता अपने चैंबर में आए, सीधे उनकी नजर सांप पर पड़ी। वह चिल्लाते हुए बाहर भागे। चिल्लाने की आवाज सुनने के बाद आसपास के वकील भी जमा हो गए। पहले अधिवक्ताओं को शांत पड़ा सांप अजगर लगा, लेकिन जब रेस्क्यू टीम को बुलाया तो पता चला रसेल वाइपर है। वाईपरिडे परिवार का अत्यंत विषैला सांप है।

यह दक्षिण एशिया में पाए जाते हैं, लेकिन बिहार में गंगा तटबंधों के आसपास रेतीली जगहों पर भी इनकी प्रजाति के अस्तित्व होने की बात सामने आई है। इस सांप में हीमोटॉक्सिन पाया जाता है। जिसके काटने के बाद शरीर के रोम छिद्र से ब्लड आने लगते हैं। खून पतला हो जाता है।

लगभग 3 फीट थी हाइटः रेस्क्यू किए गए रसेल वाइपर की हाइट लगभग 3 फीट से अधिक थी। रेस्क्यू के वक्त फुफकार मार रहा था। जिसकी आवाज बहुत तेज थी। हालांकि इसका रेस्क्यू कर लिया गया। सांप निकलने की सूचना से अफरातफरी का माहौल बना रहा।

वकील ऋषिकेश नारायण सिन्हा ने बताया कि सुबह 10 बजे चैंबर खोलने के दौरान नजर पड़ी। पहले लगा अजगर है, लेकिन अभी इसका नाम रसेल वाइपर रेस्क्यू करने वाले ने बताया है। जो काफी खतरनाक है। जिस तरीके से चैंबर से सांप निकला है, यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ऐसे में किसी दिन किसी वकील की जान भी जा सकती है।

187 कैमरों से होगी 35 छठ घाटों की निगरानी

एजेंसी, पटना

लोक आस्था के महापर्व छठ के लिए अब बस 9 दिन बचे हैं। इस बार पटना के 35 छठ घाटों की निगरानी 187 कैमरों से होगी। इन कैमरों से सावधानी-सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पटना स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) से कर्मी घाटों के पल-पल की गतिविधि पर नजर रखेंगे। इस मॉनिटरिंग के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि कोई भी व्यक्ति सुरक्षा घेरा न पार करे। अगर किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखी तो इसकी सूचना तुरंत घाट पर उपस्थित पदाधिकारी और सुरक्षा कर्मी को दी जाएगी। वहीं, अब छठ घाटों की जानकारी आम लोगों को वॉट्सऐप पर ही मिलेगी। इसके लिए वॉट्सऐप चैट बोट की शुरुआत की गई है।

अब पटनावासी घर बैठे अपने नजदीकी छठ घाट और तालाबों की जानकारी बस एक क्लिक में ही प्राप्त कर सकते हैं। इस चैटबोट पर पटना नगर निगम की ओर से दी जा रही सभी प्रकार की सुविधाओं के बारे में भी जानकारी रहेगी। इसके साथ ही शिकायत करने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यह निगम की अपनी तरह की पहली ई-सेवा है।

35 गंगा घाट पर लगे हैं कैमरेः पटना स्मार्ट सिटी द्वारा लगभग 35 गंगा घाट पर कैमरे लगे हैं, जिनमें PTZ और फिक्स कैमरे शामिल हैं। PTZ को अपने अनुसार पैन टिल्ट जूम किया जा सकता है। पटना के जिन घाटों में स्मार्ट सिटी के कैमरे लगे हैं, उनमें कलेक्ट्रेट घाट, महेन्द्रू घाट, काली घाट, बांस घाट, पटना कॉलेज घाट, कंगन घाट, मीनार घाट, नोजर कटरा घाट, पटिपुल घाट, जेपी सेतु घाट सहित अन्य घाट शामिल हैं।

नजदीकी घाट-तालाबों की जानकारी एक क्लिक में मिलेगी, एनआईटी घाट पर बनेगा अस्थायी कंट्रोल रूम

NIT घाट पर बनेगा अस्थायी कंट्रोल रूमः छठ महापर्व के अवसर पर गंगा घाट पर आस्था का जन सैलाब उमड़ता है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो और किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना हो इस बात को ध्यान में रखते हुए NIT घाट पर अस्थायी कंट्रोल रूम का निर्माण किया जा रहा है। अस्थायी कंट्रोल रूम में जिला प्रशासन और बिहार पुलिस के पदाधिकारी तैनात रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

प्रथम चरण के प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहे मतदान कर्मियों को 17 अक्टूबर को दी जाएगी प्रशिक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा बताया गया कि बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर मतदान कर्मियों/ मतगणना कर्मियों को दिनांक 04 अक्टूबर 2025 एवं 05 अक्टूबर 2025 को प्रथम चरण को आयोजित होने वाले प्रशिक्षण को भारी वर्षा के कारण स्थगित किया गया था। उसके पश्चात कर्मियों के लिए प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिनांक 11 अक्टूबर एवं 12 अक्टूबर को निर्धारित किया गया था परंतु उक्त प्रशिक्षण में कतिपय मतदान कर्मियों/ मतगणना कर्मियों द्वारा भाग नहीं लिया गया है एवं वे अनुपस्थित पाए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा है कि चुनाव कार्य की महत्ता को देखते हुए वैसे सभी अनुपस्थित कर्मियों को प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया जाना अति आवश्यक है। अतः प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहे कर्मियों के लिए दिनांक 17.10.2025 को अपराह्न 2:00 बजे से 4:30 बजे अपराह्न तक सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल बनकट मोतीहारी में प्रथम चरण का प्रशिक्षण निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि पूर्व में अनुपस्थित सभी मतदान कर्मी दिनांक 17 अक्टूबर को आयोजित प्रशिक्षण मे ससमय भाग लेना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा इस बार के प्रशिक्षण में भाग नहीं लेने वाले कर्मियों के साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। सभी मास्टर ट्रेनर को भी निर्देशित किया गया है कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रथम मतदान पदाधिकारी के लिए अलग कमरा चिन्हित करते हुए प्रथम चरण के प्रशिक्षण के साथ-साथ ईवीएम का हैंड्स ऑन ट्रेनिंग/मॉक ड्रिल से संबंधित प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करेंगे।

वाहन जांच के दौरान 7.44 लाख रुपये बरामद, दो युवक हिरासत में

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गदरिया स्थित एसएसटी कैम्प पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 7.44 लाख रुपये बरामद किए हैं। बुधवार की देर रात की गई इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने बरामद रकम की जांच शुरू कर दी है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद लक्ष्मीपुर में एसएसटी कैम्प स्थापित किया गया है, जहां मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी और अर्धसैनिक बल तैनात हैं। चुनाव को ध्यान में रखते हुए रोजाना वाहनों की तलाशी और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। बिना हेलमेट, दस्तावेजों की कमी और ट्रिपल लोडिंग जैसी गतिविधियों पर भी सघन जांच चल रही है। इसी दौरान देर रात मोतिहारी की ओर से आ रही एक बाइक को रोककर तलाशी ली गई। बाइक सवार दो युवकों के पास से कुल 7.44 लाख रुपये बरामद हुए। पूछताछ में एक युवक ने अपना नाम मुकेश कुमार बताया और कहा कि वह फ्लिपकार्ट कुरियर कंपनी में काम करता है तथा वसूली की गई रकम लेकर तुरकौलिया स्थित घर जा रहा था। थानाध्यक्ष अल्का कुमारी ने बताया कि रकम को जप्त कर लिया गया है और इसकी गहन जांच जारी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरेराज में अवैध शराब पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 14.400 लीटर शराब बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अरेराज थाना पुलिस और अनुमंडल स्तरीय टास्क फोर्स ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने गुरुवार को छापेमारी के दौरान 14.400 लीटर अवैध शराब जब्त की और एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया। थाना अध्यक्षा प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान 80 पीस (180 एमएल) "फ्रूटी" ब्रांड की अवैध शराब बरामद की गई। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर वार्ड संख्या-04 स्थित एक स्थान पर की गई, जहां अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही थी। मौके से कुंदन कुमार, पिता शंभू चौधरी, वार्ड संख्या-04, अरेराज को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी दल में थाना अध्यक्षा प्रत्याशा कुमारी के साथ पीएसआई रमेंद्र कुमार और पीटीसी लालबाबू प्रसाद शामिल थे। थाना अध्यक्षा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हरसिद्धि में बिजली मिस्त्री की मौत का मामले में विद्युत विभाग के पांच अधिकारियों व कर्मियों पर एफआईआर

बीएनएम @ हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र में बिजली मिस्त्री की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के पांच दिन बाद अब विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की गई है। मृतक नवाज सरीफ के पिता की लिखित शिकायत पर हरसिद्धि थाना पुलिस ने यह मामला दर्ज किया है। एफआईआर में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, एसडीओ, जेई, लाइनमैन और ठेकेदार को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। परिजनों का आरोप है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण नवाज सरीफ की जान गई। घटना 11 अक्टूबर की है। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मेहता टोला कुशवाहा टोला में हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आने से बिजली मिस्त्री नवाज सरीफ की मौके पर ही मौत हो गई थी। वह उज्जैन लोहियार गांव का निवासी था और विभागीय ठेकेदार के अधीन कार्य कर रहा था। देर रात दर्ज एफआईआर में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि बिना बिजली प्रवाह रोके काम करवाया जा रहा था, जिसकी वजह से हादसा हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही से इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होती। अब पुलिस जांच के बाद यह देखा जाएगा कि आरोपित अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कौन-सी कार्रवाई होती है।

14 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के बैरियाडीह पंचायत के वार्ड संख्या 14 में गुरुवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 14 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संतु राम के पुत्र जितेंद्र राम (27 वर्ष) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपी अवैध रूप से देशी शराब तैयार करने और बेचने का कार्य करता था। गुप्त सूचना मिलते ही छापेमारी दल मौके पर पहुंचा और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से 14 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की। पुलिस ने जब्त शराब को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में एसआई सीमा कुमारी, एसआई अविनाश कुमार, अर्धसैनिक बल के जवान एवं स्थानीय चौकीदार शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

» विश्वविद्यालय ने दोहराई शून्य सहनशीलता की नीति

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम हेतु अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त करते हुए "कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (Prevention of Sexual Harassment at Workplace)" विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दीनदयाल उपाध्याय परिसर में अपराह्न 3:00 बजे आंतरिक शिकायत समिति (ICC) एवं लैंगिक संवेदनशीलता प्रकोष्ठ (GSC) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस व्याख्यान का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में एक सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक वातावरण को सुनिश्चित करना तथा छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों को उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों और शिकायत निवारण की प्रक्रिया से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष प्रो. शहाना मजूमदार के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को समिति की संरचना, उद्देश्य और कार्यप्रणाली से अवगत कराया तथा यह रेखांकित किया कि किसी भी शिक्षण संस्थान में ऐसे तंत्र का होना आवश्यक है, जिससे सभी के लिए सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य वक्तव्य लैंगिक संवेदनशीलता प्रकोष्ठ की अध्यक्षा एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की अध्यक्ष प्रो. सपना सुगंधा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने लगभग 35 नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक शैली में सत्र का संचालन किया। प्रो. सुगंधा ने भारत में महिलाओं के लिए उपलब्ध कानूनी सुरक्षा प्रावधानों की जानकारी दी तथा विद्यार्थियों को सजग, आत्मविश्वासी और अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहने का आह्वान किया। उन्होंने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से यह संदेश दिया कि उत्पीड़न की कोई भी घटना, चाहे कितनी ही छोटी क्यों न हो, उसकी रिपोर्ट अवश्य की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे संवेदनशीलता, सहानुभूति और जिम्मेदारी के साथ ऐसे व्यवहार का प्रतिकार करें या रिपोर्ट करें, जिससे परिसर में सम्मान और सुरक्षा की संस्कृति को बल मिले। कार्यक्रम का समापन जीवविज्ञान (Zoology) विभाग की सहप्राध्यापक एवं आईसीसी सदस्य डॉ. प्रीति बाजपेयी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ऐसे प्रयासों के माध्यम से विश्वविद्यालय एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होगा जहाँ महिलाएँ गरिमा, आत्मविश्वास और समानता के साथ शिक्षा एवं करियर का मार्ग प्रशस्त कर सकें। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय इस प्रकार की पहलों के माध्यम से अपने "शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance)" के सिद्धांत को निरंतर सशक्त बना रहा है तथा परिसर में सौहार्द, समानता और सम्मान की भावना को बढ़ावा दे रहा है।

मतदाता जागरूकता हेतु कैंडल मार्च निकला, महिला सहभागिता रही प्रभावी

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला प्रशासन के निर्देशन में मतदाता जागरूकता को लेकर गुरुवार की संध्या समाहरणालय परिसर से कैंडल मार्च निकाला गया। जिला स्वीप कोषांग एवं आईसीडीएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका एवं अन्य महिलाओं ने भाग लिया। कैंडल मार्च का नेतृत्व उप विकास आयुक्त सह वरीय पदाधिकारी, स्वीप कोषांग डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। उनके साथ निदेशक, डीआरडीए डॉ. कुंदन कुमार, जयराम चौरसिया, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस तथा सेट पोषण के सभी पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। मार्च समाहरणालय से प्रारंभ होकर कचहरी चौक होते हुए बलुआ ओवरफ्लाई के नीचे स्थित गोलंबर तक गया और वहीं से वापस लौटा। पूरे मार्च के दौरान प्रतिभागी महिलाओं ने "वोट करेगा चंपारण" जैसे गगनभेदी नारे लगाकर जन-जागरूकता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से 11 नवंबर को होने वाले आम निर्वाचन में जिले के सभी मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान करने और लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करने की अपील की गई। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि आगामी चुनाव में मतदाता सहभागिता रिकॉर्ड स्तर पर हो।

एमजीसीयू में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, स्वास्थ्य सजगता पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा स्तन कैंसर जागरूकता पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि महिला स्वास्थ्य केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय है और ऐसी पहलें समाज तक व्यापक रूप से पहुंचनी चाहिए। मुख्य वक्ता अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली की स्तन कैंसर सर्जन डॉ. गीता कडयाप्रथ ने बताया कि जागरूकता ही स्तन कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। उन्होंने जोखिम, लक्षण, शुरुआती जांच और स्वस्थ जीवनशैली पर विस्तृत जानकारी दी। स्वास्थ्य संचार विशेषज्ञ डॉ. निभा सिन्हा ने मीडिया के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। प्रो. प्रणवीर सिंह ने स्वागत भाषण में छात्रों के सामाजिक उत्तरदायित्व पर जोर दिया। प्रो. आनंद प्रकाश और प्रो. अर्तत्राण पाल ने समय पर जांच, अनुशासन और स्वस्थ आदतों को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई। पोस्टर प्रतियोगिता में अमृता-हुस्ना रियाज़ (प्रथम), खुशबू राय (द्वितीय) और शिल्पी (तृतीय) रहीं। क्विज में अमृता-नवनीत (प्रथम) और हुस्ना-प्रियांका (द्वितीय) विजेता रहे। कई प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाणपत्र भी दिए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने किया, जबकि मंच संचालन अंजली रानी और अमृता कुमारी ने संभाला। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता साईकिल रैली का किया गया आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मताधिकार का सर्वाधिक महत्व है। बिहार विधानसभा निर्वाचन के लिए पूर्वी चंपारण जिला में 11 नवंबर को मतदान की तिथि निर्धारित है। उस दिन सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इसको लेकर मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को शहर के समाहरणालय स्थित कैंपस से मतदाता जागरूकता साइकिल रैली निकाली गई जिसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। साइकिल रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। रैली में जिला साइकिल एसोसिएशन ने भी भरपूर सहयोग किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिला के सभी मतदाताओं से 11 नवंबर को अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने की अपील की। जागरूकता रैली में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से भी जिलाधिकारी ने कहा कि आप सभी लोग मतदाता जागरूकता एंबेसेडर की तरह कार्य करेंगे और अपना मतदान करते हुए अन्य सभी मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करेंगे ताकि जिला में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र कुमार भारती, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सरफराज अहमद, वरीय कोषागार पदाधिकारी विजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, महाप्रबंधक उद्योग शुभम कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह, डीआईओ रविकेश कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा प्रहलाद कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी डीपीओ आईसीडीएस, शिक्षा विभाग के शकील अहमद सहित सभी पदाधिकारी, समाहरणालय संवर्ग के कर्मी गण एवं जिला साइकिल एसोसिएशन के अध्यक्ष/सचिव सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित थे। समाहरणालय से निकलकर साइकिल रैली राजा बाजार ओवरफ्लाई होते हुए चरखा पार्क (मोतिहारी) तक गई जहां रैली का समापन हुआ इस दौरान लोगों से 11 नवंबर को मतदान करने की अपील की गई।

71 वीं वाहिनी एसएसबी ने नेपाली करेंसी के साथ दो नेपाली व्यक्ति को पकड़ा

बीएनएम @ मोतिहारी

क्ष71 वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के कार्यक्षेत्र सीमा चौकी अगरवा के द्वारा गिरीघाट पोस्ट पर चेकिंग के दौरान लगभग 07:30 बजे भारत के अंदर 6,77,000/- नेपाली करेंसी के साथ दो व्यक्ति को पकड़ा गया। सीमा चौकी अगरवा के गिरीघाट पोस्ट पर चेकिंग करते समय दो नेपाली नागरिक 6,77,000/- रुपये नेपाली करेंसी के साथ ले जा रहे थे। पूछने पर कोई भी व्यक्ति इससे जुड़ा कोई भी सही दस्तावेज नहीं दिखा पाया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान नामः मोनाफ मियां बढई, उम्र 62 साल, पुत्र भोज मियां बढई, गांव- सतवाही, जिला- बारा, देश- नेपाल एवम दुसरे व्यक्ति नाम- शब्बीर हुसैन, उम्र 23 साल, पुत्र मोनाफ मियां बढई, गांव- सतवाही, जिला- बारा, देश- नेपाल का रहने वाला हैं। जब्त नेपाली करेंसी और पकड़े गए व्यक्ति को प्रावधानों के अनुसार कानूनी कार्रवाई करने के लिए झरोखर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

छतौनी बस स्टैंड से तीन अपराधी कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

छतौनी थाना पुलिस ने निजी बस स्टैंड से तीन अपराधियों को देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में पश्चिमी चंपारण के रामनगर थाना क्षेत्र के सबनी गांव निवासी मक्कू डोम उर्फ अरुण डोम, राहुल कुमार और मोहम्मद इम्तेयाज शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों दूसरे प्रदेशों से आने-जाने वाले यात्रियों से हथियार के बल पर छिनतई करने की योजना बना रहे थे। गुप्त सूचना पर सदर-1 एसडीपीओ दिलीप कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही तीनों भागने लगे, लेकिन खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान राहुल कुमार की कमर से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि राहुल और मक्कू डोम का आपराधिक इतिहास है तथा उन पर रामनगर थाने में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि तीनों कई जिलों में हथियार के बल पर छिनतई की वारदातों में शामिल रहे हैं। मामले में एफआईआर दर्ज कर तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर सेव द चिल्ड्रेन (बाल रक्षा भारत) एवं सेल्सफोर्स के संयुक्त तत्वावधान में उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया और बरदाहा विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल रक्षा भारत के हामिद रजा और सत्य प्रकाश ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस का उद्देश्य आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना है ताकि वे आपदाओं के प्रति तैयार रहें, जोखिम को घटाएँ और नुकसान से बचाव कर सकें। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मूल उद्देश्य आपदाओं से पहले तैयारी करना, जोखिम को कम करना और एक सुरक्षित समाज का निर्माण करना है। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने कार्ड बोर्ड पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित सुंदर चित्र बनाकर अपनी समझ और संदेश को प्रस्तुत किया। बच्चों की रचनात्मकता और जागरूकता देखकर सभी उपस्थित लोग प्रभावित हुए। इस अवसर पर विद्यालय के सुनील कुमार साहनी, नंद बिहारी चौधरी, जफीर अहमद, विनय कुमार, चंदा कुमारी, जूही कुमारी, कृति कुमारी, गौतम कुमार, अरुण ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे और शिक्षक शामिल हुए। प्रतिभागी बच्चों में अंजली कुमारी, श्वेता कुमारी, गोल्डी, शिवानी, आलोक, खुशबू, ममता, नंदनी, रौशनी कुमारी, आफरीन खातून, सपना, सबैया खातून, गुलशन कुमार, पवन, पिंटू, समीर, अजीत और अंशु कुमारी शामिल थे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

एनडीए बताएं, राजनीति में कौन सा पैमाना स्थापित करना चाहते : एजाज अहमद

बीएनएम @ पटना: बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता एजाज अहमद ने सत्तारूढ़ एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा और जदयू "परसेप्शन की राजनीति" के सहारे जनता को भ्रमित करना चाहती हैं, जबकि असलियत यह है कि सत्ता के संरक्षण में अपराध और अपराधियों को महिमा मंडित किया जा रहा है।एजाज अहमद ने कहा कि हाल में आई एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) की रिपोर्ट से यह साफ है कि बिहार सरकार के 34 में से 23 मंत्री आपराधिक या भ्रष्टाचार के मामलों में संलिप्त हैं, जिनमें से 17 पर गंभीर मामले दर्ज हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि "जब खुद सरकार में इतने दागी मंत्री हों, तब एनडीए के नेता दूसरों पर उंगली उठाने से पहले यह बताएं कि वे राजनीति में कौन सा आदर्श या पैमाना स्थापित करना चाहते हैं।"राजद प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा-जदयू ने धूमल सिंह, पप्पू पांडे, अनंत सिंह, हुलास पांडे, आनंद मोहन और राजबल्लभ यादव के परिवारों को टिकट देकर यह साबित कर दिया है कि उनकी राजनीति में अपराधियों को संरक्षण देने की परंपरा जारी है। उन्होंने कहा, जो सरकार अपराधियों के साथ खड़ी हो, वहां यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है—'सैंया भय कोतवाल तो अब डर काहे का। राजद प्रवक्ता ने दावा किया कि "बिहार में बदलाव होकर रहेगा। जनता अब भ्रम और दिखावे की राजनीति नहीं, काम और ईमान की राजनीति चाहती है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जनता का विश्वास और समर्थन लगातार मजबूत हो रहा है, यही वजह है कि भाजपा-जदयू और एनडीए खेमे में घबराहट बढ़ रही है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्मदिन मनाया गया

बीएनएम @ जमुई / झाझा। झाझा पब्लिक स्कूल में भारत के महान वैज्ञानिक, पूर्व राष्ट्रपति और "भारत के मिसाइल मैन" के नाम से प्रसिद्ध डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिन के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रार्थना से हुई, जिसके पश्चात प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्वलन कर डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात शिक्षकों द्वारा उनके जीवन की प्रेरणादायक घटनाओं और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि कैसे डॉ. कलाम जी ने अत्यंत साधारण परिवार से उठकर अपनी मेहनत, लगन और देशभक्ति के बल पर भारत को वैज्ञानिक क्षेत्र में एक नई ऊँचाई प्रदान की। छात्रों ने भी डॉ. कलाम जी के जीवन पर भाषण, कविता और निबंध प्रस्तुत किए। कई विद्यार्थियों ने उनके प्रसिद्ध उद्धरण जैसे "सपना वो नहीं जो आप नींद में देखते हैं, सपना वो है जो आपको सोने नहीं देता" को मंच पर साझा किया, जिससे वातावरण प्रेरणादायक बन गया।विद्यालय के सभी अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने मौन रखकर डॉ. कलाम जी को श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य महोदय ने कहा कि डॉ. कलाम जी का जीवन प्रत्येक छात्र के लिए प्रेरणा स्रोत है, और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। यह आयोजन छात्रों में विज्ञान, देशभक्ति और दृढ़ निश्चय की भावना को जागृत करने वाला रहा। झाझा पब्लिक स्कूल परिवार ने मिलकर इस दिन को एक प्रेरणादायक और स्मरणीय दिवस के रूप में मनाया।

जदयू ने जारी की दूसरी सूची: 44 उम्मीदवारों में 4 मुस्लिम और 13 महिलाएं शामिल

बीएनएम @ पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी गति से चल रही है। नामांकन की अंतिम तारीख 17 अक्तूबर यानी कल है। इसी तैयारी के बीच जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी की है। इस सूची में कुल 44 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिनमें 4 मुस्लिम उम्मीदवार और 13 महिला उम्मीदवार हैं। मुस्लिम उम्मीदवारों में अररिया से शगुफ्ता अजीम, जोकीहाट से मंजर आलम, अमौर से सबा जफर और चैनपुर से जमा खान शामिल हैं। जदयू की इस सूची से स्पष्ट होता है कि पार्टी ने अल्पसंख्यक और महिला प्रतिनिधित्व पर ध्यान देने की कोशिश की है।पहले चरण में कई दिग्गज नेता भी अपना नामांकन कर रहे हैं, जिससे चुनावी रंग और भी गर्म हो गया है। पार्टी की कुल 101 उम्मीदवारों की सूची में महिलाओं की संख्या 13 है, जो जदयू की महिला सशक्तिकरण और प्रतिनिधित्व की दिशा में उठाए गए कदम को दिखाती है।अब नामांकन की अंतिम तारीख के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पार्टी के इन उम्मीदवारों के सामने कितनी चुनौती होगी और स्थानीय समीकरण किस तरह प्रभावित होंगे।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

बीएनएम @ जमुई/झाझा। थाना क्षेत्र के धमना मोड़ के पास बुधवार की देर शाम एक तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने झाझा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लहूलुहान अवस्था में पड़े घायल को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा लाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मगही गांव निवासी डकन यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बुजुर्ग टहलते हुए गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर धमना मोड़ के पास पहुंच गए थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है।

डा. केशव चंद्र को डीयू से 'इंटेलिजेंस' शोध पर मिली डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

बीएनएम @ जामाई/सिमुलतला के टेलवा बाज़ार निवासी डा. केशव चंद्र ने शिक्षा और शोध के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग ने जापान की विदेश नीति के अध्ययन में खुफिया जानकारी की भूमिका विषय पर उनके उत्कृष्ट शोध के लिए 13 अक्टूबर को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया है।केशव का यह शोध नवीन, मौलिक और महत्वपूर्ण बताया जा रहा है, जिसे अकादमिक हलकों में काफी सराहना मिली है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नल्स में शोध आर्टिकल प्रकाशित किए हैं और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं।वर्तमान में, वह दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विवेकानंद कॉलेज में राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उनकी यह सफलता छोटे शहरों से आने वाले युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का विषय है।

दरभंगा की पुकार या सत्ता की ललक? पोलो मैदान की सभा में एनडीए नेताओं का चुनावी शोर

बीएनएम @ दरभंगा: दरभंगा के ऐतिहासिक पोलो मैदान में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल और मंत्री मदन सहनी की उपस्थिति में एनडीए की नामांकन जनसभा आयोजित की गई। मंच पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, सांसद डॉ. गोपालजी ठाकुर समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। सभा में "दरभंगा की यही पुकार, 14 नवंबर को एनडीए सरकार" के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा, लेकिन जनसभा के इस राजनीतिक शोर में जनता की मूल समस्याएं कहीं खो सी गईं। वक्ताओं ने विकास और सुशासन की बात तो की, पर दरभंगा की जर्जर सड़कों, जलजमाव, रोजगार और शिक्षा जैसी जमीनी मुद्दों पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि चुनाव आते ही नेताओं का जमावड़ा होता है, लेकिन जीत के बाद यही चेहरे गायब हो जाते हैं।पोलो मैदान में हुआ यह आयोजन राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन तो रहा, पर आम जनता की उम्मीदों और सवालों से दूरी साफ दिखी।

जमुई में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

सेफ्टी फ्यूज: 13 बरामद

मस्कट राइफल 02,देशी कट्टा 01,ज़िंदा कारतूस 04 नग,जिलेटिन रॉड,42,इलेक्ट्रिक डेटोनेटर: 05

बीएनएम @ जमुई/चंद्रमंडी

नक्सलियों की एक खतरनाक योजना को सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने धराशायी कर दिया। गुरुवार की सुबह की गई इस संयुक्त कार्रवाई में टीम ने जंगल और पहाड़ी इलाके से भारी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक सामग्री बरामद की है। माना जा रहा है कि इन सामग्रियों का उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान किसी बड़े हमले में किया जा सकता था। गुप्त सूचना के आधार पर 'सी' समवाय एसएसबी के कमांडर को पता चला कि मुंड माला मंदिर के आसपास के घने जंगल में नक्सलियों ने पूर्व में छिपाकर रखे गए हथियारों को निकालकर चुनाव में व्यवधान डालने की योजना बनाई है। सूचना मिलते ही 16वीं वाहिनी के कमांडेंट अनिल कुमार पठानिया के निर्देश पर निरीक्षक राजीव नयन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष प्रचालन दल का गठन किया गया। दल में 19 प्रशिक्षित सशस्त्र जवान, विस्फोटक खोजी श्वान जूली और स्थानीय पुलिस के जवान शामिल थे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के साथ जब टीम ने पहाड़ी और घने जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया, तो खोजी कुतिया जूली ने मुंड माला मंदिर से करीब 700–800 मीटर दूर कुछ संदिग्ध गंध महसूस की। इसके बाद टीम ने उस इलाके की सघन तलाशी ली और मिट्टी में दबे हथियारों का जखीरा बरामद किया।बरामद सामग्री में मस्कट राइफल 02, देशी कट्टा 01, जिंदा कारतूस (8mm) के 04 नग, 42 जिलेटिन रॉड, 05 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 13 मीटर सेफ्टी फ्यूज और 15 मीटर इलेक्ट्रिक वायर शामिल हैं। सभी बरामद वस्तुओं को पुलिस के हवाले कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।अधिकारियों ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक और हथियारों की बरामदगी इस बात का संकेत है कि नक्सली चुनाव के समय किसी बड़ी हिंसक वारदात की तैयारी में थे।एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई ने न केवल उस साजिश को नाकाम किया, बल्कि नक्सलियों के मंसूबों पर करारा प्रहार भी किया है।स्थानीय प्रशासन ने इसे एक बड़ी सफलता बताया है। एसएसबी के अधिकारियों ने कहा कि आगे भी इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि जंगल में छिपे नक्सल नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जा सके।

बरामद हथियार और विस्फोटक के साथ जवान

भाकपा के वरिष्ठ नेत बसपा का थामा दामन

नौतन विधानसभा से लड़ेंगे चुनाव

बीएनएम @ बेतिया

नौतन विधानसभा क्षेत्र की सियासत में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ सदस्य वीरेंद्र राव ने गुरुवार की दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी से सामूहिक रूप से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब वे बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से नौतन विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे। राव ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता गंडक नदी का पक्कीकरण, क्षेत्र से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना और समग्र विकास करना होगा। वीरेंद्र राव ने बताया कि वे वर्ष 1975 से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े रहे हैं, लेकिन पार्टी में उपेक्षा और पैसे के खेल से वे आहत हैं। उन्होंने महागठबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि नौतन सीट कांग्रेस उम्मीदवार अमित गिरी को 5 करोड़ लेकर दी गई है। उन्होंने इसे जनता के विश्वास के साथ धोखा बताया। राव ने कहा कि वे हमेशा गरीबों, मजदूरों और गंडक नदी संरक्षण के आंदोलनों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं और अब बसपा के मंच से जनता के हक की लड़ाई जारी रखेंगे।

निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान करना सर्वोच्च प्राथमिकता : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी का चुनाव की तैयारियों को लेकर मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद

बीएनएम @ बगहा

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर आज समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जिले के प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया के जिला संवाददाताओं,ब्यूरो प्रमुखों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफल निर्वाचन सम्पन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से अपेक्षित सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त होने पर उसे तत्काल जिला प्रशासन के संज्ञान में लाएं, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।उन्होंने बताया कि जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलास्तर से लेकर पंचायत स्तर तक व्यापक स्तर पर स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मीडिया प्रतिनिधियों को निर्वाचन कार्यों से संबंधित प्रेस विज्ञप्तियाँ, फोटो एवं वीडियो सामग्री मीडिया कोषांग द्वारा नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही मतदान एवं मतगणना केन्द्रों पर मीडिया कवरेज हेतु प्राधिकार पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया भी जारी है।बैठक के दौरान उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों ने निष्पक्ष चुनाव संचालन से संबंधित अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए, जिनका समुचित उत्तर जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिया गया।इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग नगमा तबस्सुम, नोडल पदाधिकारी मीडिया कोषांग राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते जिला निर्वाचन पदाधिकारी

बगहा विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन में होगी सीधे मुकाबला

एनडीए से राम सिंह, तो महागठबंधन से जयेश सिंह से होगी टक्कर

बीएनएम @ बगहा

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची तय होते ही यहां फिर वही मुकाबला दोहराया जाएगा जो 2020 में हुआ था। भारतीय जनता पार्टी ने अपने वर्तमान विधायक राम सिंह पर दोबारा भरोसा जताया है, जबकि कांग्रेस ने अपने पूर्व प्रत्याशी जयेश मंगल सिंह को फिर मैदान में उतारा है। पांच साल पहले हुए चुनाव में राम सिंह ने 90,013 यानी कुल वोटों का लगभग 50 प्रतिशत हासिल कर जीत दर्ज की थी, तो कांग्रेस के जयेश मंगल सिंह को 59,993 यानी करीब 33 प्रतिशत वोट मिले थे। वर्तमान विधायक राम सिंह ने अपने कार्यकाल में क्षेत्र में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुधारने का दावा किया है। उनकी शैक्षणिक योग्यता बीए है, जो उन्होंने एस कॉलेज मोतिहारी से पूरी की। दूसरी ओर, जयेश मंगल सिंह रिजवी मैनेजमेंट कॉलेज, मुंबई से मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट हैं और पिछले पाँच वर्षों से लगातार जनता के बीच सक्रिय रहे हैं। राजनीतिक माहौल को देखते हुए, बगहा में फिर एनडीए और महागठबंधन का सीधा संघर्ष दिख रहा है। स्थानीय मुद्दे और विकास कार्य इस बार मतदाताओं के निर्णय में अहम भूमिका निभाएंगे। दुसरी तरफ जयेश मंगलम सिंह उर्फ जय सिंह ने भी पांच साल तक जनता की सेवा की। तथा उनके समस्याओं का निष्पादन किया। बगहा विधानसभा चुनाव में देखना है कि मतदाता एनडीए या फिर महागठबंधन के प्रत्याशी पर कितना भरोसा कर रही है।

बगहा विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी राम सिंह

महागठबंधन के प्रत्याशी जय सिंह

बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल सरकार और जनप्रतिनिधियों की नाकामी स्पष्ट

दरभंगा का ऐतिहासिक +2 मारवाड़ी उच्च विद्यालय खंडहर में तब्दील

बीएनएम @ दरभंगा

बिहार की शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा का एक गंभीर मामला दरभंगा के प्रतिष्ठित +2 मारवाड़ी उच्च विद्यालय, शिवाजीनगर से सामने आया है। करीब 1918 में स्थापित और कभी शिक्षा-अनुशासन का प्रतीक रहा यह विद्यालय आज जर्जर और खंडहर जैसी हालत में है। टूटती दीवारें, टपकती छतें और असुरक्षित कक्षाओं के बीच छात्र पढ़ाई करने को मजबूर हैं।यह स्थिति न केवल प्रशासन की विफलता है, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं में शिक्षा को पीछे धकेलने और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का प्रतीक है।दीवारें दरक चुकी हैं और छतें गिरने को तैयार हैं, जिससे छात्र व शिक्षक खतरे में रहकर काम कर रहे हैं।बारिश में क्लासरूम दलदल बन जाते हैं, और कई कमरे सुरक्षा कारणों से बंद हैं।पूर्व और दक्षिण की सीमाओं पर सुरक्षा न होने के कारण नशे के शिकार लोग परिसर का गलत फायदा उठाते हैं।

राजनीतिक वादे और हकीकत

स्थानीय विधायक संजय सरावगी ने हर चुनाव में इस स्कूल के सुधार का वादा किया, लेकिन छठी बार नामांकन के बावजूद वादे खोखले साबित हुए। यह विद्यालय अब केवल चुनावी भाषणों का प्रतीक बन गया है।

सरकारी उपेक्षा

विद्यालय के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव कई बार जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से भेजा गया, लेकिन इसे अब तक स्वीकृति नहीं मिली है। सूत्रों के अनुसार, बीएसईआईडीसी की ओर से 2021 में जीर्णोद्धार का प्रस्ताव पास हुआ था, छत का कुछ काम हुआ भी, पर बाकी काम अधूरा पड़ा है।प्रिंसिपल डॉ. आरती कुमारी सुरक्षा के लिए प्रयासरत हैं, पर रोजमर्रा की जर्जर स्थिति उनके प्रयासों को सीमित करती है।विशेषज्ञों का मानना है कि अब केवल मरम्मत नहीं, बल्कि इस ऐतिहासिक धरोहर का पूर्ण पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार आवश्यक है। सरकार को तत्काल विशेष अनुदान जारी करना चाहिए और जनप्रतिनिधियों को केवल वादों से ऊपर उठकर ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि छात्रों के भविष्य और क्षेत्र की सामाजिक धरोहर को बचाया जा सके।

तेजस्वी यादव की कुल संपत्ति 8.1 करोड़ रुपये, हलफनामे में खुलासा

बीएनएम @ पटना

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने हाल ही में अपने हलफनामे में कुल संपत्ति लगभग 8.1 करोड़ रुपये बताई है। इसमें उनकी चल और अचल संपत्ति दोनों शामिल हैं। हलफनामे के अनुसार, तेजस्वी के पास 6.12 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 1.88 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। इसके अलावा, उनके पास एक पिस्तौल और 50 जिंदा कारतूस (मूल्य 1.05 लाख रुपये), डेस्कटॉप और लैपटॉप जैसी निजी वस्तुएं भी शामिल हैं।तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री यादव ने अपने हलफनामे में 1.88 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है, जिसमें 59.69 लाख रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। दोनों के पास नकद भी है। तेजस्वी के पास 1.5 लाख रुपये जबकि राजश्री के पास 1 लाख रुपये कैश मौजूद है।हलफनामे में कई बैंक खातों का भी जिक्र है और कुल देनदारियों का आंकड़ा 55.55 लाख रुपये है। धातु संबंधी संपत्ति में तेजस्वी के पास 200 ग्राम सोना और 2 किलोग्राम चांदी है, जबकि उनकी पत्नी राजश्री के पास 480 ग्राम सोना है।सरकारी बकाया की स्थिति में तेजस्वी यादव के पास कुल 1.35 करोड़ रुपये का सरकारी बकाया है, जबकि उनकी पत्नी पर कोई बकाया या देनदारी नहीं है।हलफनामे से यह स्पष्ट होता है कि तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी ने अपनी संपत्ति का पूरी तरह खुलासा किया है। इसमें नकद, बैंक खाते, चल और अचल संपत्ति के अलावा व्यक्तिगत और मूल्यवान वस्तुएं भी शामिल हैं। यह जानकारी विधानसभा चुनाव या अन्य कानूनी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए दर्ज की गई है।

वनकर्मियों से मारपीट, एफआईआर दर्ज

» **वनपाल के आवेदन पर एक आरोपी गिरफ्तार**

बीएनएम @ बगहा

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के मदनपुर वन प्रक्षेत्र के नौरंगिया वन परिसर में गुरुवार को वनकर्मियों पर हमला हुआ।वनपाल सोनू कुमार ने नौरंगिया थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वनरक्षी जगदंबा यादव को वन कक्ष M/17 में गश्त के दौरान रामायण चौधरी ने गाली-गलौज की, साइकिल से टक्कर मारकर गिराया और सरकारी काम में बाधा डाली।जब वनपाल अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे, तो रामायण चौधरी, हिरालाल चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी और दो अज्ञात लोगों ने उन्हें घेरकर मारपीट की।पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रामायण चौधरी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।रेंजर नसीम अंसारी के अनुसार, रामायण चौधरी और उसका भाई हिरालाल चौधरी पेशेवर वन अपराधी हैं, जिन पर पहले से ही लकड़ी तस्करी, अवैध कटाई और वनकर्मियों को धमकाने के दर्जनों मामले दर्ज हैं।थानाध्यक्ष शुभम कुमार ने पुष्टि की है कि कांड संख्या 117/25 दर्ज कर ली गई है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

गिरफ्तार आरोपित के साथ पुलिसकर्मी

जरूरतमंद परिवारों के बीच बाटी गई दिवाली की खुशियाँ

बीएनएम @ जमुई / झाझा

आनंद सबके लिए" कार्यक्रम के तहत झाझा शाखा द्वारा जुरपनिया, तीतीहचक बारेकोला क्षेत्र में दिवाली की खुशियाँ बाँटी गईं। मारवाड़ी युवा मंच, झाझा शाखा द्वारा "आनंद सबके लिए" कार्यक्रम के अंतर्गत गुरूवार को झाझा के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों के बीच दिवाली पर्व की खुशियाँ बाँटने हेतु सेवा कार्य आयोजित किया गया। प्रातः 5:00 बजे दुर्गा मंदिर चौक से शाखा के युवा साथियों का दल अध्यक्ष आयुष बंका के नेतृत्व में रवाना हुआ। इस दौरान ग्रामीण परिवारों के बीच मिठाइयाँ, दीपक एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया, जिससे उन परिवारों के घरों में "खुशियाँ सबके घर" का संदेश साकार हो सका। कार्यक्रम में मंच के वरिष्ठ सदस्यों एवं अनेक युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर समाज के अंतिम पायदान तक खुशियाँ पहुँचाने के संकल्प को साकार किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष आयुष बंका ने कहा मारवाड़ी युवा मंच सदैव समाज के जरूरतमंद वर्ग के साथ खड़ा है। 'आनंद सबके लिए' जैसे अभियान का उद्देश्य यही है कि कोई भी व्यक्ति दिवाली की खुशियों से वंचित न रहे। शाखा सचिव पीयूष सुल्तानिया ने बताया कि मंच आगे भी इस तरह के सेवा और सामाजिक कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों तक खुशियाँ पहुँचाई जा सकें।

जरूरतमंदों के बीच बाटी गई दीपक व सामग्री

चाहिए सतर्क दृष्टि

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ वॉर में भारत के प्रति कोई नरमी नहीं बरती है। क्या वार्ता के अगले चरण में वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करने पर राजी हो जाएगा? अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंच रहा है, तो उसके सामने वही सवाल और चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से पिछले पांच दौर की वार्ताओं में बात आगे नहीं बढ़ी। सवाल है कि क्या भारत व्यापार के साथ-साथ भू-राजनीति संबंधी उन अमेरिकी मांगों पर राजी होगा, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन टैरिफ वॉर के जरिए पूरा कराना चाहता है? ट्रंप ने यह जताने में कोई कोताही नहीं बरती है कि आयात शुल्क को वे ऐसा हथियार मानते हैं, जिसके उपयोग से वे अपने सारे मकसद साध सकते हैं। भारत खुद उनके इस नजरिए का शिकार बना है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के दंड के तौर पर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। इस तरह ट्रंप ने भारतीय विदेश नीति को अमेरिकी हितों के मुताबिक ढालने का दबाव बना रखा है। व्यापार संबंध में उनका प्रशासन भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं (कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए ना खोलने के निर्णय) को बिल्कुल तव्वजो देने के मूड में नहीं है। एक बड़ी समस्या ट्रंप का अस्थिर स्वभाव भी है। चीन के मामले में जाहिर हुआ कि जो सहमतियां बनीं, उनके खिलाफ जाते हुए ट्रंप प्रशासन ने कुछ ऐसे कदम उठाए, जिससे बात फिर जहां की तहां पहुंच गई। तब चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित करने का एलान किया, जिसके परिणामों को समझते हुए अब फिर ट्रंप प्रशासन ने रुख नरम किया है। बहरहाल, रेयर अर्थ जैसे कुछ क्षेत्रों में अपने लगभग एकाधिकार के कारण चीन जवाबी कदम उठाने की स्थिति में है। भारत के साथ यह सुविधा नहीं है। भू-राजनीतिक मामलों में बेशक भारत के साथ अमेरिका की अपेक्षाकृत अधिक निकटता है, फिर भी ट्रंप प्रशासन ने व्यापार में भारत के प्रति कोई रियायत नहीं बरती है। तो मुद्दा है कि क्या अब वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करेगा? सिर्फ इन दो स्थितियों में ही बात आगे बढ़ सकती है। वरना, संभावना है कि वार्ता के छठे दौर का अंजाम भी पहले जैसा ही रहेगा।

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

ललित गर्ग

(अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस- 17 अक्टूबर, 2025)

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है। आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोज़गारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-"गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है।" अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है। उआजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोज़गार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-"गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।" गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, "गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है"-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि "सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो।" आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-'गरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने।' जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा? गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'अन्त्योदय' एवं 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

मंदिर का धन देवता का, सरकार का नहीं; हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला और धर्मनिरपेक्षता की सच्ची कसौटी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का हालिया फैसला जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि "मंदिर का धन देवता का है, सरकार का नहीं।" वस्तुतः न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति राकेश कैंथला की खंडपीठ ने अपने 38 पन्नों के विस्तृत निर्णय में मंदिरों की दान राशि के उपयोग पर सख्त दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि मंदिरों में आने वाला हर चढ़ावा देवी-देवताओं का है और इसका उपयोग धार्मिक, धर्मार्थ और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यों में ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस निर्णय ने हिमाचल प्रदेश के साथ पूरे देश में एक पुराने और उपेक्षित प्रश्न को पुनः जीवित कर दिया है, जब मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों की आय में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता, तो हिंदू मंदिरों की निधि पर सरकारी नियंत्रण क्यों? भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है, परंतु व्यवहार में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ कई बार "हिंदू धार्मिक संस्थानों पर नियंत्रण" बनकर रह गया है। देश के कई राज्यों में मंदिर "देवस्थान विभागों" द्वारा संचालित होते हैं, जहाँ मंदिरों की दान राशि का उपयोग लोक कल्याण योजनाओं या प्रशासनिक कार्यों में नाम पर किया जाता है। वहीं मस्जिदों की संपत्ति वक्फ बोर्ड के अधीन, चर्च की संपत्ति चर्च ट्रस्टों के अधीन और गुरुद्वारों की निधि स्वयंभू प्रबंधक समितियों के नियंत्रण में रहती है। हिन्दू धर्म को छोड़कर ऐसा ही अन्य रिलीजन का हाल है। प्रश्न यह है कि क्या धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यही होना चाहिए कि राज्य हिंदू संस्थानों को "रेगुलेट" करे और अन्य धर्मों की संस्थाओं को "स्वायत्तता" दे? हिमाचल हाईकोर्ट ने इसी विषमता को रेखांकित करते हुए कहा कि "मंदिरों में आने वाला दान श्रद्धालुओं का भगवान पर विश्वास है, उसे राज्य के राजस्व की तरह उपयोग करना अनुचित है और यह आस्था के साथ विश्वासघात है।" हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि "देवता एक विधिक इकाई (juristic person) हैं और मंदिर की निधि उसी देवता की संपत्ति है।" सरकार या मंदिर अधिकारी उसके संरक्षक मात्र हैं। यदि कोई ट्रस्टी मंदिर निधि का दुरुपयोग करता है, तो यह आपराधिक विश्वासघात (criminal breach of trust) माना जाएगा। अदालत ने आदेश दिया कि सभी मंदिर ट्रस्ट अपनी मासिक आय-व्यय रिपोर्ट, ऑडिट सारांश और दान का ब्यौरा सार्वजनिक करें, ताकि भक्तों का विश्वास बना रहे और पारदर्शिता सुनिश्चित हो। निर्णय में अदालत ने मंदिर निधियों के उपयोग की सीमाएँ भी तय कीं — यह राशि देवी-देवताओं की देखभाल, मंदिरों के रखरखाव और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में उपयोग होगी। इसके अतिरिक्त, इसका उपयोग गुरुकुलों की

स्थापना, गोशालाओं के संचालन, पुजारियों के प्रशिक्षण, यज्ञशालाओं के निर्माण, अस्पृश्यता मिटाने और अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करने जैसे धर्मार्थ कार्यों में किया जा सकेगा। दअदालत ने सख्ती से कहा कि मंदिर निधियों का उपयोग सरकारी योजनाओं, सड़कों-पुलों के निर्माण, निजी व्यवसायों, होटलों या मॉल संचालन, या मंदिर अधिकारियों के निजी लाभ के लिए नहीं किया जा सकता। अब देखा जाए तो यह प्रश्न नया नहीं है। 1954 में सुप्रीम कोर्ट ने "श्री लक्ष्मिंदर थिरुमलाई देवस्वामिगल बनाम कमिश्नर, हिंदू रिलीजीयस एंडोमेंट" मामले में कहा था कि "मंदिर एक सार्वजनिक धार्मिक संस्था है और देवता उसकी विधिक इकाई हैं।" 1983 में तमिलनाडु हाईकोर्ट ने कहा था कि "राज्य मंदिर निधियों को अपने राजकोष में शामिल नहीं कर सकता क्योंकि वे धार्मिक उद्देश्य के लिए प्राप्त होती हैं।" 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला ट्रस्ट से जुड़े आदेशों में दोहराया कि "मंदिर ट्रस्ट की भूमिका धार्मिक और धर्मार्थ कार्यों तक सीमित है।" हिमाचल हाईकोर्ट का ताजा फैसला इन्हीं सिद्धांतों की पुनः पुष्टि करता है और इसे अधिक ठोस एवं पारदर्शी रूप में सामने लाता है। यह सवाल वर्षों से हिंदू समाज में गूंज रहा है; जब वक्फ बोर्ड अपनी संपत्तियों और दान पर पूर्ण नियंत्रण रख सकता है, जब चर्च ट्रस्टों को सरकारी हस्तक्षेप से स्वतंत्रता प्राप्त है, जब गुरुद्वारा प्रबंधक समितियाँ अपनी निधियों को अपने धार्मिक उद्देश्य से जोड़कर उपयोग करती हैं, जब इसी तरह बौद्ध, जैन या अन्य अपनी संपत्ति का उपयोग अपने पंथ के हित में करती हैं, तो हिंदू मंदिरों की निधियों पर सरकार का अधिकार क्यों? यह वर्तमान की एक बड़ी सच्चायी है कि हिंदू मंदिरों से प्राप्त धनराशि सरकार के राजकोष में चली जाती है और कई बार उस धन से ऐसी योजनाएँ चलती हैं जिनका धर्म या मंदिर से कोई संबंध नहीं। दूसरी ओर, वही करदाता, जो मंदिर में दान देता है पहले से सरकार को कर भी दे चुका होता है। ऐसे में मंदिर में दान की गई राशि पर सरकार का दावा अनुचित और असमान है। हिमाचल हाईकोर्ट का यह निर्णय इसी असमानता को न्यायिक रूप से चुनौती देता है। अदालत ने कहा, "जब सरकार मंदिर निधियों को अपने नियंत्रण में लेती है, तो वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ विश्वासघात करती है। मंदिर निधि कोई सार्वजनिक खजाना नहीं, यह धर्म और आस्था की निधि है।" इसी विषय पर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (PIL) पहले से लंबित है, जिसमें यह मांग की गई है कि हिंदू मंदिरों की आय का उपयोग धार्मिक, सांस्कृतिक और समाजसेवी कार्यों में हो। हिमाचल हाईकोर्ट का निर्णय इस याचिका को और प्रासंगिक बना देता है। अब आवश्यकता है कि सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर शीघ्र सुनवाई करे और यह सुनिश्चित करे कि भारत की धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के लिए समान रूप से लागू हो, किसी एक धर्म पर नियंत्रण और दूसरे को स्वतंत्रता देना धर्मनिरपेक्षता नहीं, असंतुलन है। यह निर्णय धार्मिक संस्थानों की निधियों तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र में "राज्य और आस्था के बीच की सीमाएँ" तय करने वाला फैसला है। अदालत ने यह सिद्ध किया कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ धर्म से दूरी नहीं, बल्कि सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और निष्पक्षता है। जब मस्जिद का धन वक्फ बोर्ड का, चर्च का धन चर्च ट्रस्ट का, और गुरुद्वारे का धन गुरु घर का है, तब मंदिर का धन भी देवता का होना चाहिए। भक्तों का अर्पण सरकार के राजकोष में नहीं, उनके ईश्वर की सेवा में लगना चाहिए। इस आधार पर यहां निश्चित ही यही कहना होगा कि आज हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह फैसला कानून, धर्म और पारदर्शिता का संगम है।

मेषः मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन करियर में परिवर्तन लाने वाला साबित हो सकता है। विद्यार्थियों को किसी बड़ी उपलब्धि का संकेत मिलेगा और उन्हें भविष्य के लिए नई दिशा मिलेगी। पारिवारिक वातावरण में आनंद रहेगा और आप अपनों के साथ समय बिताकर सुकून महसूस करेंगे। आज किसी बड़ी कंपनी से जुड़ने का अवसर मिल सकता है, जो आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती देगा।

वृषभः वृषभ राशि वालों को आज सेहत के क्षेत्र में राहत मिलेगी। पुरानी थकान और कमजोरी दूर होगी। आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, जिससे आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। हालांकि घर में खर्चों को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है और किसी योजनाबद्ध कटौती की आवश्यकता पड़ सकती है। आज आप अपने किसी रचनात्मक कौशल को विकसित करने का प्रयास करेंगे, जिससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों को आज पारिवारिक रिश्तों में मजबूती मिलेगी। माता-पिता के साथ भावनात्मक संबंध बेहतर होंगे और जीवनसाथी से भी सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि थोड़ी चिड़चिड़ाहट या ग़लतफहमी की स्थिति बन सकती है, जिससे घर का वातावरण प्रभावित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई ज़िम्मेदारियाँ मिलेंगी और आप उन्हें निपुणता से निभाएंगे। दिन के अंत तक आत्मसंतोष की भावना रहेगी।

कर्कः कर्क राशि के जातकों के लिए आज का दिन नई प्रेरणा और उपलब्धियों से भरा रहेगा। आप उत्साहित महसूस करेंगे और किसी बड़े प्रोजेक्ट को लेकर सकारात्मक कदम उठाएंगे। मीडिया या कंसल्टेंसी से जुड़े जातकों के लिए दिन काफी फलदायक रहेगा। प्रेम संबंधों में नयापन और समझदारी आएगी।

सिंहः सिंह राशि वालों के लिए आज घर में उल्लास और सक्रियता का वातावरण रहेगा। नजदीकी रिश्तेदारों के आगमन से पारिवारिक मेल-मिलाप बढ़ेगा। बच्चों के साथ समय बिताना सुखद अनुभव देगा और रिश्तों में नई ऊर्जा भर देगा। मानसिक एकाग्रता बनी रहेगी, जिससे आप अटके हुए कार्यों को पूरा करने में सक्षम रहेंगे। पुराने मतभेदों को आज आप पीछे छोड़ सकते हैं।

कन्याः कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिश्रित रहेगा। किसी पारिवारिक समस्या का समाधान संभव है, जिससे मन का तनाव कम होगा। कामकाज में गंभीरता और अनुशासन आवश्यक रहेगा। ऑफिस में किसी सहयोगी से मतभेद की आशंका है, इसलिए संवाद में सावधानी बरतें। शिक्षा या करियर से जुड़ा कोई निर्णय लेने से पहले वरिष्ठों की राय अवश्य लें।

तुलाः तुला राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है लेकिन दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में आ जाएंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी और आप किसी महत्वपूर्ण कार्य में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण बनाना आवश्यक है, वरना बजट प्रभावित हो सकता है।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन लाभदायक सिद्ध होगा। आप अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग कर पाएंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और किसी धार्मिक स्थल पर जाने की संभावना भी बन सकती है। व्यवसाय में थोड़ी सुस्ती रहेगी लेकिन कर्मचारियों का सहयोग संतोषजनक रहेगा। आत्मिक संतुलन बना रहेगा।

धनुः धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन उन्नति देने वाला रहेगा। नौकरी या व्यापार में प्रमोशन या विस्तार का योग है। आप नई उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे और अपनी पहचान मजबूत बनाएंगे। जीवनसाथी से मधुर संबंध बने रहेंगे। ध्यान रहे कि भावुकता में निर्णय न लें, विशेष रूप से वित्तीय मामलों में। सफलता के साथ थोड़ी विनम्रता भी आवश्यक होगी।

मकरः मकर राशि वालों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और किसी रुके हुए प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। वरिष्ठों की सलाह से बड़ा निर्णय ले सकते हैं। प्रेम जीवन में भी सकारात्मकता बनी रहेगी। किसी प्रिय के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे मानसिक सुकून प्राप्त होगा।

कुंभः कुंभ राशि वालों के लिए आज राहत और शुभ समाचार का दिन है। किसी लंबे समय से रुके हुए कार्य की शुरुआत हो सकती है। विदेश से संबंधित कोई अच्छी खबर मिलेगी या यात्रा की योजना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आप अपने व्यवहार से सभी का दिल जीतेंगे।

मीनः मीन राशि के लिए आज का दिन संतुलित और सामंजस्यपूर्ण रहेगा। आप दिनचर्या को व्यवस्थित रूप से अपनाएंगे और कार्यों में पूरी निष्ठा दिखाएंगे। परिवार के साथ कोई मनोरंजक योजना बन सकती है, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा।

केबीसी के चर्चित बच्चा प्रकरण से उपजे बड़े सवाल

आयुषी दवे

भारत के बेहद लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति का एक चर्चित एपीसोड काफी सुर्खियों में है। इसमें बच्चे का अति आत्मविश्वास शुरू में तो सबको खूब भाया लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ, जवाब देने के उसके तरीके ने सबको हैरान किया। बच्चों के एक एपीसोड में 10 साल के बच्चे ने अमिताभ बच्चन को नियम समझाने और विकल्प न बताने की न केवल हिदायत दी बल्कि अपनी अति आत्मविश्वासी छवि पेश कर कुछ देर के लिए बोलती भी बंद कर दी। हालांकि थोड़े ही सवालों के बाद वह खेल से बाहर हो गया लेकिन बच्चा जितनी देर रहा, कई अनसुलझे सवालों को छोड़ गया। शो को नियमित देखने वालों और इस बारे में सुनने वालों में इसकी काफी चर्चा है। कुछ इसे बच्चे के अहम तो कुछ शिष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। तमाम तरह की आलोचनाओं के बावजूद बच्चे के समर्थन में भी कुछ सामने आए। हालांकि कई का यह भी मानना है कि ऐसे एपीसोड केबीसी को नहीं दिखाना था। टीआरपी और प्रतिस्पर्धा की होड़ में एक्सीडेण्टली बैठे-बिठाए हाथ आए ऐसे मामले भला प्रसारण कंपनी क्यों छोड़े? निश्चित रूप से बच्चे के प्रति तरह-तरह के कमेण्टस आने का सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं। लेकिन विचारणीय यह है कि इसका बच्चे की मनःस्थिति पर कैसा और कितना गहरा असर पड़ेगा? संभव है कि जल्द इस पर डिबेट्स का दौर भी शुरू हो जाए। गंभीरता से सोचना होगा कि आखिर बच्चे ने ऐसा व्यवहार क्यों किया? शो के दौरान बीच-बीच में बच्चे के जवाब देने के अनुचित तरीके से उसके माता-पिता भी असहज दिखे। ऐसा लगा कि ऐसी वार्तालाप बच्चे की दिनचर्या का अंग ही है। बच्चे के लिए भले यह नया न हो और आम हो लेकिन क्या यह सही है? इस पर मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों का ध्यान स्वाभाविक है। इस तरह की प्रवृत्ति कैसे रुके, गहन मंथन का विषय है। टीवी में ऐसे कार्यक्रम आएं न आएं यह नियामकों का जिम्मा है। लेकिन दस साल के बच्चे के व्यवहार से ढेरों सवाल जरूर उठ खड़े हुए हैं। आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यवहार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है। जिस बच्चे को लेकर यह शुरुआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है। यह सबसे तेज और सबसे हाईटेक पीढ़ी मानी जाती है। 2010 से 2024 के बीच पैदा यह, वह पहली पीढ़ी है जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मी है। जन्म से ही तकनीक, स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पले-बढ़े ये बच्चे पूरी तरह डिजिटल और साइबर परिवेश में रहते हैं। यही नए डिजिटल युग के असल प्रतिनिधि कहे जा सकते हैं। तेजी और हाजिरजवाबी इनकी पहचान है। इनके लिए, सबकुछ तुरंत होता है जैसे जवाब, खेल, प्रशंसा और ध्यान। ऐसी प्रवृत्ति के भयावह दुष्परिणामों के बारे में सोचे बिना हम अपनी पीढ़ी को कहां ले जा रहे हैं? इस पर कौन सोचेगा? क्या हम, आप इस गति या तेजी की कीमत समझते हैं? उनके मस्तिष्क का फ्रंटल लोब, जो निर्णय लेने, धैर्य और भावनात्मक नियंत्रण के लिए ज़िम्मेदार है, बहुत धीमा विकसित हो रहा है। इनमें एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है। इनमें विचारों में तेजी तो काम पर

नियंत्रण कम रहता है। इनके व्यव्हार से मस्तिष्क का असंतुलन भी झलकता है। इसे तंत्रिका-विकासात्मक विकार कहते हैं जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेग जैसी समस्याओं का कारण बनता है। यह मस्तिष्क की वह स्थिति है जो बच्चों और किशोरों में उनके स्कूल, घर, रिश्तों में दैनिक कामकाज को प्रभावित कर सकती है। यह वयस्कता तक बनी रहती है। इसे एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर कहते हैं। वहीं, यह एक तरह का ओडीडी यानी ऑप्जिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर है। यह भी व्यवहार संबंधी विकार है जिससे बच्चों में लगातार अवज्ञाकारी, असहयोगी और शत्रुतापूर्ण व्यवहार झलकता है। बच्चे दूसरों के साथ बहस करते हैं, नियमों का पालन करने से इनकार करते हैं और चिड़चिड़े होते हैं। यदि यह व्यवहार लंबे समय तक बना रहता है, तो यह रिश्तों और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है। दूसरों से बात करते समय बीच में बोलना या बीच में ही टोक देना, बेचैनी और इंतज़ार करने में असमर्थता, अतिसक्रियता, आवेग में आकर जवाब देना, अधिकार प्राप्त लोगों से बहस करना या उनका विरोध करना, जिद और मैं हमेशा सही हूँ-वाला रवैया अपनाना, गलत होने पर भी गलतियाँ न मानना वो लक्षण हैं जो भावनात्मक असंतुलन दर्शाते हैं। ऐसी स्थितियों में भावनाएँ मस्तिष्क को नियंत्रित करती हैं, न कि मस्तिष्क भावनाओं को। इसमें बुद्धिमान दिखने खातिर आंतरिक दबाव और अपने डर को प्रभुत्व या आज्ञाकारी लहजे से छुपा लेना ठीक नहीं होता। केबीसी के जिस एपीसोड से यह मुद्दा गर्माया, उसमें बच्चा कहता है कि अगर मैं कम से कम 12 लाख नहीं जीता तो मुझे बताया गया कि आपके साथ फोटो नहीं खिंचवा सकता! यह कहना बेहतर प्रदर्शन के लिए उस पर दबाव और चिंता को बताता है। कहने की जरूरत नहीं कि वजह माता-पिता या सामाजिक अपेक्षाओं से जुड़ा दबाव है। अहम यह कि माता-पिता अपने बच्चे की बुद्धिमत्ता और जीत की तारीफ तो करते हैं लेकिन उसकी भावनाओं को नहीं समझते, शांत या धैर्यवान होना नहीं सिखाते। वास्तव में आपाधापी और प्रतिस्पर्धा में रात-दिन लगे माता-पिता भी तो उसी दौड़ में शामिल हैं जिसमें बच्चा है। भला क्या और क्या उम्मीद की जाए? समय से पहले गैर जरूरी मामलों में बच्चों की संलिप्तता और इसके लिए मददगार डिजिटल संसाधन पकड़ाना कितना उचित है? यह सवाल शुरुआत से बहस में रहा लेकिन सवाल वही कि क्या हम वक्त से पहले अपने बच्चों को बिना सोचे, समझे बड़ा कर रहे हैं? बचपना, मिट्टी में खेलने की आजादी, गांव-गलियां, गिल्ली डण्डा, गेड़ी चलना, लंगड़ी कूद, बोरा कूद, लुका-छिपी और तमाम पुराने पारंपिक खेल गायब होते जा रहे हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पर्थ पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी, पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पर्थ पहुंच गई है। भारत की वनडे टीम के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और नए कप्तान शुभमन गिल गुरुवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अक्टूबर से होगी।

कोहली, रोहित और गिल के अलावा के.एल. राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी टीम के साथ पर्थ पहुंचे। उड़ान में देरी के कारण टीम को निर्धारित समय से देर से पर्थ पहुंचना पड़ा। इनके साथ कुछ सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी आए हैं।

मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य बुधवार शाम दिल्ली से रवाना हुए थे और वे दिन में बाद में टीम से

जुड़ेंगे।

सीरीज का पहला मैच पर्थ में 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड और तीसरा व अंतिम वनडे 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। वनडे सीरीज के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

इस सीरीज को लेकर खास उत्साह है क्योंकि यह रोहित शर्मा और विराट कोहली की मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। शुभमन गिल को वनडे का कप्तान बनाए जाने के बाद दोनों सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हैं।

रोहित और कोहली पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों 2027 वनडे विश्व कप तक खेलने के इच्छुक हैं।

कप्तान शुभमन गिल भी इस विचार के समर्थन में बोल चुके हैं। उन्होंने कहा था, "वो अनुभव जो इन दोनों खिलाड़ियों के पास है और भारत को जिताने में उनका जो योगदान रहा है, वैसे बहुत कम खिलाड़ी होते हैं जिनके पास इतनी स्किल, क्वालिटी और अनुभव हो। ऐसे खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम हैं।"

हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत के दौरान गिल ने इशारा किया था कि रोहित और कोहली 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रह सकते हैं।

कमिंस बोले, ऑस्ट्रेलियाई लोगों के पास रोहित और कोहली को खेलते देखने का अंतिम अवसर

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने प्रशंसकों से कहा है कि वे भारत के साथ होने वाली एकदिवसीय सीरीज को देखें क्योंकि ये विराट कोहली ओर रोहित शर्मा का अंतिम दौरा हो सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज पर्थ में 19 अक्टूबर से होगी। पीठ में खिंचाव के कारण इस दौरे से बाहर रहने वाले कमिंस ने कहा कि ये सीरीज ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए विशेष इसीलिए होगी क्योंकि इसके बाद उन्हें इन दोनो को देखने का अवसर नहीं मिलेगा। कमिंस के अनुसार इन दोनो को ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए देखना हमेशा से ही आकर्षण का केन्द्र रहा है।

कमिंस ने कहा, "विराट और रोहित पिछले 15 सालों से तकरीबन हर दौरे में शामिल हे हैं। उनके बिना भारतीय क्रिकेट की कल्पना करना भी कठिन है। ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए उन्हें यहाँ खेलते हुए देखने का यह अंतिम अवसर

हो सकता है।" उन्होंने आगे कहा कि दोनों खिलाड़ी न सिर्फ भारत बल्कि विश्व क्रिकेट के चैंपियन रहे हैं। "जब भी वे ऑस्ट्रेलिया में खेलते हैं, दर्शकों को काफी आनंद आता है।" कमिंस का कहाना है कि व फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर रहेंगे जो उनके लिए निराशाजनक है हालांकि इसके बाद भी वह अपनी टीम के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, "भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर रहना निश्चित रूप से निराशाजनक है। ऐसी सीरीज़ हमेशा ही रोमांचक होती है, वह भी जब देशभर में पहले से ही दर्शकों में उत्साह हो। मुझे भरोसा है कि स्टेडियम पूरी तरह से भरे होंगे।" कमिंस ने यह भी कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी इतनी बड़ी सीरीज नहीं खेल पाता है, तो उसे खालीपन लगता है। कमिंस इस बार मैदान पर नहीं होंगे पर उन्होंने इस सीरीज के लिए कप्तान बनाये गये मिशेल मार्श को युवाओं का अवसर देने की सलाह दी है। कमिंस ने कहा, "तीन मैचों की यह सीरीज जीतना ज़रूरी है पर इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है नए खिलाड़ियों को अवसर देना। कई युवा ऐसे हैं जो पिछले विश्व कप में नहीं थे। हमें देखना होगा कि वे दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं।" उन्होंने साथ ही कहा कि यह सीरीज़ टीम संयोजन तय करने में भी काफी अहम साबित होगी, जिससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए बेहतर टीम तैयार की जा सके। वहीं मिशेल स्टार्क द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले पर भी कमिंस ने कहा कह वह पहले से ही इस पर विचार कर रहे थे। इसको कारण है कि तीनों प्रारूपों में खेलना बेहद कठिन है। वह मुझसे कुछ साल बड़े हैं और पहले ही 100 टेस्ट खेल चुके हैं। उनका ध्यान अब टेस्ट क्रिकेट पर है, जो ठीक भी है।"

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में मैच पर अश्विन ने उठाये सवाल

अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनायें

एजेंसी, चेन्नई

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अगले माह गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में भी एक टेस्ट मैच खेला जाएगा। ये पहली बार होगा जब इस मैदान पर कोई टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसी को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आशंकाएं जाहिर की हैं। अश्विन के अनुसार इस प्रकार के मैदान पर खेलना दोनो ही टीमों के लिए एक नया अनुभव होगा। अश्विन ने इसी को लेकर कहा कि देश में अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनाये जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि दोनों टीमें यहां के हालात को नहीं जानती जिससे कि ये मैच विदेश में खेले जाने वाले मुकाबले जैसा हो सकता है। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा क्योंकि यहां भारतीय टीम 22 से 26 नवंबर

तक दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। अश्विन ने कहा कि वह इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी इस मैदान पर लाल गेंद का मैच नहीं खेला होगा। अश्विन ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका चैंपियन के रूप में भारत आ रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसका स्पिन विभाग बहुत मजबूत है और उसके पास ऐसे बल्लेबाज भी नहीं है जो स्पिनर को अच्छी तरह से खेल सकें। लेकिन हमें टेस्ट केंद्रों के बारे में बात करनी होगी। साथ ही कहा, ''विराट कोहली ने कई साल पहले कहा था कि हमारे पास मानक टेस्ट केंद्र होने चाहिए। मेरा भी व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि अब समय आ गया है कि हम इस पर गंभीरता से विचार करें। हमें स्थायी टेस्ट केंद्र और अच्छी पिचें तैयार करने की जरूरत है।'' अश्विन ने कहा कि पिच और वहां के हालातों के बारे में किसी भी घरेलू टीम को पता होना चाहिये।

अश्विन के होने से बीबीएल का आकर्षण बढ़ेगा : शास्त्री

एजेंसी, सिडनी

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन 16 दिसंबर को सिडनी थंडर की ओर से बिग बैश लीग ((बीबीएल) में डेब्यू करेंगे। अश्विन पूरे बीबीएल सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनकी टीम का पहला मैच हॉबार्ट हरिकेंस से होगा। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री के अनुसार अश्विन के होने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। साथ ही कहा कि ये पहली बार होगा जब कोई 600 विकेट देने वाला खिलाड़ी लीग में खेलता दिखेगा। अश्विन इस लीग में खेलने वाले पहले भारतीय होंगे। भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान अनमुक्त चंद ने इस लीग में खेला है पर वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं थे।

शास्त्री के अनुसार अश्विन के होने से लीग का स्तर बढ़ेगा और युवा बल्लेबाजों को स्पिन के खिलाफ खेलने का बेहतर अनुभव मिलेगा। अश्विन से कुछ अन्य टीमों ने भी संपर्क किया था पर डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर ने उनके साथ पूरे सत्र के लिए करार किया जो उन्होंने स्वीकार कर लिया।

रणजी ट्रॉफी 2025-26: अभिनव तेजराना ने प्रथम श्रेणी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतक, गोवा के लिए रचा इतिहास

एजेंसी, पोरवोरिम

रणजी ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के युवा बल्लेबाज़ अभिनव तेजराना ने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण (डेब्यू) मैच में शानदार दोहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने गुरुवार को चंडीगढ़ के खिलाफ गोवा क्रिकेट एसोसिएशन अकादमी ग्राउंड पर यह उपलब्धि हासिल की। 24 वर्षीय तेजराना ने 301 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया और प्रथम श्रेणी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाने वाले गोवा के पहले बल्लेबाज़ बन गए। वे इस उपलब्धि को हासिल करने वाले भारत के केवल 13वें खिलाड़ी हैं। तेजराना ने 320 गेंदों में 205 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल थे। इस दौरान उनका ललित यादव के साथ चौथे विकेट के लिए 309 रनों की साझेदारी रही, जो गोवा के चौथे विकेट के रिकॉर्ड से सिर्फ

एक रन कम रही। यह रिकॉर्ड राहुल केनी और अजय रात्रा के नाम है। गौरतलब है कि बिहार के साकिबुल गनी के नाम प्रथम श्रेणी डेब्यू पर सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2021-22 सीजन में मिजोरम के खिलाफ 341 रन बनाए थे।

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही तेजी, सेंसेक्स 862 अंक अछला

नई दिल्ली। शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 862 अंक उछल गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 25,585 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी बाजार में तेजी को समर्थन मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी से शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 862.23 अंक यानी 1.04 फीसदी उछलकर 83,467.66 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,010.05 अंक तक चढ़ गया था। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 261.75 अंक यानी 1.03 फीसदी की बढ़त के साथ 25,585.30 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स

और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी ओर नुकसान में रहने वाले शेयरों में इटर्नल और इन्फोसिस शामिल हैं। बीते दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,500 अंक से ज्यादा चढ़ा है। वहीं, निफ्टी 1.9 फीसदी उछला है। एशिया के अन्य शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 2.49 फीसदी, जापान का निक्की 1.27 फीसदी और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.10 फीसदी चढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। वहीं वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.57 फीसदी बढ़कर 62.26 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए थे। बीएसई का सेंसेक्स 575 अंकों की बढ़त के साथ 82,650 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 178 अंकों की तेजी के साथ 25,324 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम बनी नई चुनौती

नई दिल्ली। पिछले दो महीनों में पेट्रोल वाहनों के मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो गया है। भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम अब कार मालिकों और बीमा कंपनियों के लिए नई चुनौती बनती जा रही है। यह खर्च अगस्त में 28प्रतिशत था, जो अक्टूबर में बढ़कर 52प्रतिशत तक पहुंच गया। यह जानकारी लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में सामने आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले से ही महंगे पेट्रोल दामों से परेशान ग्राहकों पर इन बढ़े हुए खर्चों ने आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। सर्वे में कई वाहन मालिकों ने कहा कि अगर ई20 फ्यूल को ऑप्शनल रखा जाए और इसकी कीमत 20प्रतिशत कम की जाए, तो वे इसका समर्थन करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यह भावना पर्यावरण विरोधी नहीं है,

बल्कि वाहन मालिकों पर अचानक थोपे गए बदलाव के कारण उत्पन्न हुई है। बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि ई20 फ्यूल के कारण होने वाले नुकसान अक्सर मोटर इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर नहीं होते। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर किसी वाहन को ई20 फ्यूल से नुकसान हुआ, तो इसे रासायनिक जंग या मैकेनिकल घिसावट माना जाता है, न कि दुर्घटना। ऐसे मामलों में बीमा कवरेज आमतौर पर लागू नहीं होता। हालांकि, अगर इंजेक्टर खराब होने से इंजन में आग लगती है, तो यह विवाद का मामला बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीमा पॉलिसी में बदलाव की आवश्यकता है, ताकि इथेनॉल से जुड़े नुकसान और अपवादों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जा सके। ऐसा न होने पर भविष्य में यह विवादों का कारण बन सकता है कि कौन-सा नुकसान बीमा में कवर होगा और कौन-सा नहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि ई20 फ्यूल पर आ रही शिकायतें गलत जानकारी पर आधारित हैं। सरकार का दावा है कि ई20-कंपैटिबल वाहन 2023 से ही उपलब्ध हैं और इथेनॉल कार्यक्रम भारत के स्वच्छ ईंधन, कम आयात, और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

सोने-चांदी के भाव नई ऊंचाई पर, विदेशी बाजार में भी तेजी

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में लगातार चौथे दिन गुरुवार को सोने का वायदा भाव उच्च स्तर पर पहुंच गए। चांदी ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। फिलहाल गुरुवार को घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,27,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,63,650 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार को तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 394 रुपये की तेजी के साथ 1,27,604 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,27,210 रुपये था। इस समय यह 612 रुपये की तेजी के साथ 1,27,822 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,28,395 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,26,604 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने 1,28,395 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,293 रुपये की तेजी के साथ 1,63,499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,62,206 रुपये था। इस समय यह 1,448 रुपये की तेजी के साथ 1,63,654 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,64,150 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,63,032 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने 1,64,150 रुपये किलो

के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,225.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,201.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 43.80 डॉलर की तेजी के साथ 4,245.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने गुरुवार को 4,248 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 52.59 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 51.37 डॉलर था।

भारत में लांच होगी डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर

बेंगलुरु। भारतीय सड़कों पर यामाहा मोटर इंडिया अपनी बहुप्रतीक्षित डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर को जल्द उतारने की तैयारी में है। उम्मीद है कि यह यामाहा के 11 नवंबर 2025 को होने वाले इवेंट से ठीक पहले का प्रमोशनल शूट हो सकता है। हाल ही में बेंगलुरु में इस बाइक के स्पाई शॉट्स सामने आए हैं, जिनमें यह बिना किसी कवर के दिखाई दी। इस इवेंट में कंपनी अपनी रेट्रो-स्टाइल बाइक एक्सएसआर155 को भी पेश कर सकती है। स्पाई तस्वीरों में डब्ल्यूआर 55 आर रेसिंग ब्लू कलर में नजर आई, जो यामाहा की सिग्नेचर स्कीम है। इसका लुक इंटरनेशनल मॉडल जैसा ही है लंबा ग्राउंड क्लियरेंस, ऊँचा स्टांस और रग्ड डिजाइन इसे एडवेंचर लवर्स के लिए आकर्षक बनाते हैं। बाइक में 21-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर व्हील्स के साथ नॉबी डुअल-पर्पज़ टायर दिए गए हैं, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतरीन पकड़ सुनिश्चित करते हैं। इसमें 155सीसी लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन है जो

वीवीए तकनीक से लैस है। यही इंजन यामाहा आर15 और एमटी-15 में भी इस्तेमाल किया गया है। यह करीब 16.7 पीएस पावर और 14.3 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स और दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इसका वजन करीब 134 किलोग्राम है, जिससे यह हल्की और नियंत्रित राइडिंग के लिए उपयुक्त बनती है। डब्ल्यूआर 55 आर में फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिक स्टार्ट और 8.1 लीटर का फ्यूल टैंक है। भारत में लॉन्च के बाद इसका मुकाबला हीरो एक्सपल्स 200 और कावासाकी केएलएक्स 230 से होगा।

आईएमएफ का वृद्धि अनुमान बढ़ाना भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाणः पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 फीसदी करना देश की आर्थिक मजबूती और मजबूत बुनियादी ढांचे का प्रमाण है। आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि देश में निवेश, उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी में कटौती के कारण आर्थिक आत्मविश्वास को दर्शाती है। इसी महीने विश्व बैंक ने भी भारत के वृद्धि अनुमान को 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। गोयल ने उद्योग से वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नेतृत्व करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उद्योग मुक्त व्यापार समझौतों

(एफटीए) में मामूली रियायतों को लेकर अनावश्यक आपत्ति करता है, जो देश की कमजोर छवि पेश करता है। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और विविधीकरण पर जोर देते हुए कहा कि एक ही आपूर्तिकर्ता या सीमित देशों पर निर्भरता से इस क्षेत्र में जोखिम उत्पन्न हो सकता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों के लिए घरेलू संरक्षण जरूरी हो सकता है लेकिन अन्य मामलों में उद्योग को वैश्विक बाजारों के साथ जुड़े रहकर अपनी दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हम निश्चित रूप से अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में किसी एक भौगोलिक क्षेत्र की कृपा पर नहीं रहना चाहते हैं जो किसी एक उद्योग को पंगु बना दे। हालांकि, कुछ ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें ठोस संरक्षण की जरूरत है।

पूजा भट्ट ने सुनाया दुश्मन का किस्सा, कैसे संजय दत्त ने दक्षिण अफ्रीका में बारटेंडर को डराया था

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता पूजा भट्ट अपने पॉडकास्ट द पूजा भट्ट शो में फिल्मों से जुड़ी पुरानी यादें शेयर कर रही हैं। इसकी कुछ क्लिप्स वो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर करती हैं। पूजा भट्ट ने पुरानी यादों में खोकर 1998 में दक्षिण अफ्रीका में फिल्म दुश्मन की शूटिंग के पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे संजय दत्त के डर के चलते एक बारटेंडर उनसे छिपता दिखाई दिया था। पूजा भट्ट ने अपने शो में फिल्म की निर्देशक तनुजा चंद्रा से बात की। इस दौरान उन्होंने दुश्मन की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे और केप टाउन के विक्टोरिया होटल में ठहरे थे, वह समय बहुत ही मजेदार था। मुझे लगता है कि संजू (संजय दत्त) मेरे पिता के साथ कारतूस की शूटिंग से पहले भी वहां गए थे और वह पहले से ही वहां ठहरे हुए थे। उन्होंने आगे कहा, और जब हम लॉबी में गए तो बार बारटेंडर ने हमें होटल में घुसते देख लिया और डर के मारे छिपने लगा। तो मैं हैरान रह गई और मैंने पूछा कि तुम हमसे यहां ऐसे क्यों छिप रहे हो? तब बारटेंडर ने डरते हुए कहा, वो जो गेस्ट हैं ना, उनकी वजह से हम किसी मुसीबत में न फंस जाएं इसलिए छुप रहे हैं। पिछली बार हमें उनके लिए शराब के एक्स्ट्रा बॉक्स मंगवाने पड़े थे क्योंकि शराब खत्म हो गई थी। पूजा भट्ट ने यह भी बताया कि कैसे सुबह जल्दी उन लोगों को शूटिंग के लिए जाना था, तब संजय दत्त चाह रहे थे कि यह शाम कभी खत्म न हो। पूजा भट्ट ने तनुजा से कहा, और मुझे याद है एक शाम हमारी सुबह-सुबह शूटिंग थी और तुम कहती रही कि चलो सब सो जाओ क्योंकि हमें जल्दी उठकर निकलना है और संजू शाम खत्म नहीं करना चाहता था और मेरे भी कुछ प्लान्स थे। तुम ऊपर गईं और संजू भी गलियारे में टहल रहा था और तुमने कहा, संजय दत्त, सो जाओ। तो वह तुम्हारे कमरे में आया और तुमसे बात करने लगा था। उन्होंने आगे कहा, और मैं दरवाजे के पास गई और सुनने लगी, तभी अचानक दरवाजा खुल गया और मैं तुम्हारे कमरे में गिर गई। तुम उस पर चिल्ला रही थी, फिर अचानक जोर से हंस पड़ी। तुमने बताया कि संजय दत्त काफी हाई थे और कह रहे थे कि ये शाम कभी खत्म न हो। फिल्म 'दुश्मन को पूजा भट्ट और उनके पिता ने प्रोड्यूस किया था। इसमें काजोल, संजय दत्त और आशुतोष राणा लीड रोल में थे।

सोनम बाजवा का एक दीवाने की दीवानियत ट्रेलर आउट फैन्स बोले

इस बार तो दिल और स्क्रीन दोनों जलने वाले हैं!

रोमांटिक ड्रामा एक दीवाने की दीवानियत का ट्रेलर जैसे ही 8 अक्टूबर 2025 को रिलीज़ हुआ, सोशल मीडिया पर बस एक ही नाम गूंज उठा सोनम बाजवा। फिल्म में सोनम के साथ हैं हैंडसम हंक हर्षवर्धन राणे, और इसे डायरेक्ट किया है मिलाप ज़वेरी ने। कहानी भले ही मेकर्स ने अभी तक छुपाकर रखी है, लेकिन ट्रेलर से साफ है कि इस बार लव स्टोरी में इमोशन, जुनून और हार्टब्रेक का तड़का तिहरे डोज़ में मिलेगा! फिल्म 21 अक्टूबर को दिवाली रिलीज़ के लिए तैयार है, और इसका टैगलाइन ही बता देता है कि ये कोई आम लव स्टोरी नहीं इस दिवाली, इतिहास में पहली बार रावण खुद सीता को घर छोड़ने आएगा! रिलीज़ के कुछ ही घंटों में ट्रेलर ने 70 हज़ार से ज़्यादा व्यूज़ पार कर लिए फैन्स बोले, यही तो है असली दिवाली धमाका! पर असली शोस्टॉपर हैं हमारी सोनम बाजवा, जो इस बार अपने अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में नज़र आ रही हैं। अब तक क्यूट, ग्लैमरस और एक्शन से भरे किरदार निभाने वाली सोनम ने इस बार दिल और दिमाग दोनों जीत लिए हैं। ट्रेलर में उनके चेहरे के एक्सप्रेशन, डायलॉग डिलीवरी और इमोशनल सीन देखकर फैन्स बोले, सोनम की आंखों में आग भी है, आंसू भी! दूसरे ने जोड़ा, इंतज़ार नहीं हो रहा इस दिवाली का सोनम आग लगा देंगी! कह सकते हैं कि एक दीवाने की दीवानियत के साथ सोनम ने अपने करियर का सबसे रॉ, पैशनेट और इमोशनल रूप दिखाया है। इस

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर के पहले सीन को नैरेट करेंगे अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन फिल्म 120 बहादुर के ओपनिंग सीन को नैरेट करते दिखाई देंगे। फरहान अख्तर की यह फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध पर आधारित है। यह जानकारी रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के लेटेस्ट प्रोमो में दी गई। इसके आने वाले एपिसोड में फरहान के साथ उनके पिता और पटकथा लेखक जावेद अख्तर शामिल होंगे। दोनों ने शो के सेट पर अमिताभ बच्चन का जन्मदिन भी मनाया। प्रोमो में जावेद और फरहान अख्तर अमिताभ बच्चन के साथ केबीसी की हॉट सीट पर नजर आते हैं, जहां वे अपने पुराने रिश्तों को याद करते हुए मजेदार बातें साझा कर रहे हैं। खास पल तब आता है जब अमिताभ बच्चन, फरहान अख्तर से उनकी आने वाली फिल्म '120 बहादुर के बारे में पूछते हैं। इसके बाद फरहान रेजांगला की लड़ाई और वहां 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ लड़े बहादुर सैनिकों की कहानी बताते हैं। आखिर में फरहान अमिताभ बच्चन से एक खास रिक्वेस्ट करते हैं कि वे उनकी फिल्म के ओपनिंग सीन को नैरेट करें। वह कहते हैं, हमारी फिल्म की शुरुआत एक नैरेटर की आवाज से होती है, जो रेजांगला की घटना को समझाता है। अगर आप हमारी फिल्म की शुरुआत के लिए नैरेटर बनें, तो यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी। इस पर मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने खुशी-खुशी हामी भर दी। अमिताभ ने जैसे ही फिल्म से जुड़ने की हामी भरी तो दोनों पिता-पुत्र बहुत खुश हुए। यह एपिसोड जल्द ही सोनी टीवी पर टेलीकास्ट किया जाएगा। इस एपिसोड के दौरान अमिताभ बच्चन फिल्म जंजीर का एक मशहूर सीन भी रीक्रिएट करते दिखाई देंगे। फिल्म की बात करें तो, '120 बहादुर सन 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 120 बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो निर्मित 120 बहादुर में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रजनीश राजी घई ने किया है। फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में राशि खन्ना और अंकित सिवाच भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म के ट्रेलर और टीजर को दर्शकों ने खूब सराहा था।

कृष्णा श्रॉफ की 'बमूलिया डायरी

छोरियाँ चली गाँव से जुड़ी दिल छू लेने वाली यादों की एक झलक

फिटनेस आइकॉन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ, जो हाल ही में अपने नए रियलिटी शो छोरियाँ चली गाँव के ज़रिए बमुलिया की एक जीवन बदल देने वाली यात्रा के बाद मुंबई लौटीं है। लौटने के बाद उन्होंने अपने शो के समय की सबसे प्यारी और यादगार झलकियों का एक खूबसूरत कैरोसेल साझा करते हुए पुरानी यादों की गलियों में एक भावनात्मक सफ़र किया। शो की फर्स्ट रनर-अप रहीं कृष्णा अपनी बमुलिया गाँव में अपने परिवर्तनकारी सफ़र की तस्वीरें पोस्ट कीं और कैप्शन दिया, एक समय की बात है प्तबमुलिया गाँव में। कृष्णा द्वारा साझा की गई तस्वीरों में उनके बमूलिया गाँव के अनुभव के कई अनमोल पल झलकते हैं — एक नन्हे बकरी के बच्चे को प्यार से गोद में लेने से लेकर सह-प्रतियोगियों से दोस्ती निभाने तक, ट्रैक्टर चलाने और ग्रामीण कामों में हाथ बँटाने से लेकर गाँववालों के साथ दिल से जुड़ने तक। हर तस्वीर उनके विकास, दोस्ती और उस सादगी की कहानी कहती है जिसने शो में उनके सफ़र को खास बनाया। कृष्णा की इन तस्वीरों में जो सबसे ज़्यादा नज़र आया, वह था उनके चेहरे पर झलकता सच्चा सुख और संतोष। कैरोसेल में उनके साथी प्रतिभागियों के साथ बिताए आत्मीय पल भी थे, जिनमें गर्मजोशी से गले मिलना और हँसी-मज़ाक करना शामिल था, सहज मुस्कानें – सब कुछ बखूबी दिखाई देता है। साथ ही गाँव की गतिविधियों में डूबी उनकी कुछ तस्वीरें भी थीं। कुछ तस्वीरों में वे सजाई गई इलेक्ट्रिक चेयर पर बैठी दिखती हैं (जो शायद किसी शॉकिंग टास्क का हिस्सा रही हो!), तो कुछ में वे ग्रामीणों से पारंपरिक कला-कौशल सीखती नजर आती हैं। हर तस्वीर से साफ़ झलकता है कि कृष्णा की अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलने की इच्छा हर तस्वीर में साफ़ दिखाई दे रही थी। कुछ शांत पल भी कैद हुए हैं, जैसे दोस्तों के साथ सूर्यास्त देखना, बमूलिया की मिट्टी की खुशबू में खोए हुए और उस सादगी से जुड़ते हुए दिखाती हैं, जो किसी प्रतिस्पर्धा से कहीं आगे की चीज़ थी। उनकी पोस्ट में झलकता है वह सच्चा अपनापन और पुरानी यादों की मिठास, जिसने इस अनुभव को महज़ एक रियलिटी शो से कहीं ज़्यादा बना दिया। यह कैरोसेल इस बात की याद दिलाता है कि कृष्णा ने छोरियाँ चली गाँव में बिताए समय को कितना प्यार किया। जिसमें उन्होंने न केवल यादगार पलों को दिखाया है, बल्कि सार्थक पलों को भी दर्शाया है - गाँव के खेती के अनुभवों से लेकर, जो उन्हें उनके पिता जैकी श्रॉफ के कृषि प्रेम से जोड़ते हैं, और गैजेट्स और स्मार्टफोन के बिना जीवन की सादगी में मिलने वाली खुशी। उनके कमेंट सेक्शन में प्रशंसकों का प्यार उमड़ पड़ा, जिन्होंने पूरे शो के दौरान उनकी प्रामाणिकता की सराहना की, और कई लोगों ने बताया कि कैसे उनके सफर ने उन्हें जीवन के सरल सुखों को महत्व देने के लिए प्रेरित किया। अपनी भावनात्मक ट्रिब्यूट के साथ कृष्णा ने इस अध्याय को अलविदा कहा, जिससे यह स्पष्ट है कि बामुलिया उनके लिए सिफ़र् एक जगह नहीं था। यह एक ऐसा सफ़र था जिसने उनके दिल पर अमिट छाप छोड़ी।

फेस्टिव सीज़न में क्या पहनना है? राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नज़रें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंस्पिरेशन से कम नहीं। हवादार कुर्ता सेट से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक्स, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर: वाइब्रेंट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं — फ्यूशिया पिंक कुर्ता सेट, जिस पर नाज़ुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जुत्तियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उतना ही सहज है जितना कि एलीगेंट। परिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है।

गोल्डन ग्लो: मस्टर्ड मैजिक चमकीला, बोल्ड और खूबसूरत,- राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैज़ुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

साड़ी ग्लैमर: आइवरी एलिगेंस- जो लोग सदाबहार पारंपरिक लुक को पसंद करते हैं, उनके लिए राशि की आइवरी सिल्क साड़ी और कंट्रास्टिंग पिंक ब्लाउज़ एकदम परफेक्ट हैं। गजरे से सजा जूड़ा, स्टेटमेंट ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप पुराने ज़माने की खूबसूरती का एहसास देते हैं — फेस्टिव डिनर या सांस्कृतिक समारोहों के लिए यह एक क्लासिक चॉइस है।

रीगल रेडियंस: ऑलिव-गोल्ड साड़ी स्टेटमेंट- राशि की तरह बोल्ड और सोफिस्टिकेटेड स्टेटमेंट दें इस डैज़लिंग ऑलिव-गोल्ड साड़ी में, जिसे उन्होंने डीप-कट एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ के साथ पेयर किया है। यह लुक पारंपरिक कारीगरी और मॉडर्न स्टाइल का शानदार संगम है — भव्य पारिवारिक आयोजनों या फेस्टिव पार्टियों के लिए एकदम उपयुक्त है।

फेस्टिव ड्रीम: ग्रीन और पिंक लहंगा लव- जब फेस्टिव मूड अपने चरम पर हो और आप कुछ नया ट्राय करने का मन हो, तो राशि का यह ग्रीन और पिंक लहंगा तोरानी डिज़ाइनर का सबसे ख़ास त्यौहारी आकर्षण है जो किसी शोस्टॉपर से कम नहीं। बारीक डिटेलिंग, रिच कलर्स और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ यह लुक शादियों, रिसेप्शन या दीवाली पार्टीज़ के लिए परफेक्ट है।

'We lack pride': Kiran Mazumdar-Shaw blasts Bengaluru garbage problem

Biocon chief stands firm after DK Shivakumar's rebuttle:

NEW DELHI, Agency: A day after an online standoff on the city's "poor infrastructure" with deputy chief minister D K Shivakumar, Biocon chief Kiran Mazumdar-Shaw refused to back down and, a day later, raked up Bengaluru's unabated garbage problem on X on Thursday.

Biocon chief Kiran Mazumdar-Shaw highlighted the issue calling it a "serious malaise" and criticizing the failure of municipalities in major cities to tackle waste effectively.

"Garbage is a serious malaise countrywide and no municipality of big cities has managed to solve it. Indore and Surat seemed to have cracked it, but Mumbai, Delhi, Bengaluru, etc., haven't. Very very pathetic, which shows citizens' lack of civic sense and huge apathy by both citizens and administration. We lack pride," Shaw wrote on X.Shaw, who has previously voiced concerns over Bengaluru's "creaking" infrastructure, poor roads, and traffic congestion, blamed the situation on past governments' inaction.

"We are in this situation because of past governments' failure to act in time. This government has the opportunity to change and act fast to fix these decades of deteriorating infrastructure. Government ministers need to hold the GBA (Greater Bengaluru Authority) accountable for the shoddy and slow work. Here, the government and citizens need to be on the same page," she said.

Her remarks drew sharp criticism from deputy chief minister D K Shivakumar, who accused her of

"betrayal" and of tarnishing the state and country that helped her succeed as an entrepreneur.

Shivakumar, who oversees the Bengaluru portfolio, and other senior Congress ministers have issued coordinated statements insisting that the city's infrastructure is improving.

Meanwhile, Bengaluru residents and citizen groups rallied behind Shaw on social media. Whitefield Rising (@WFRising), a prominent citizen group, called it a "classic deflection tactic" and urged people not to fall for political posturing. Another user, Viky (@urstrulyvikass), wrote, "Ma'am, we stand with you. It's our fundamental right to ask or raise questions. We pay taxes and we should get basic infrastructure, water, and electricity."

The row underscores growing public frustration with Bengaluru's civic infrastructure and highlights the tensions between citizens, experts, and government authorities over accountability and city maintenance.

Chandigarh horror: Speeding Thar kills woman, sister critical

CHANDIGARH, Agency: A speeding black Mahindra Thar hit two sisters standing by the roadside in Sector 46, Chandigarh, on Tuesday afternoon, killing one and leaving the other critically injured.

The accident occurred around 3 pm when 22-year-old Sojef and her 24-year-old sister Isha, residents of Burail village in Sector 45, were waiting for an auto-rickshaw outside Dev Samaj College. The jeep, bearing a Chandigarh registration, reportedly rammed into them at high speed before fleeing the scene.

Bystanders rushed both sisters to Government Medical College and Hospital, Sector 32. Doctors declared Sojef dead on arrival, while Isha remains in the intensive care unit in critical condition.

Their father, Saved, said the family originally hails from Uttar Pradesh and has been living in Chandigarh for several years. He said:

"My daughter Sojef was studying BA at Dev Samaj College, Sector 45, and was also learning beauty parlour work in Sector 46. She had big dreams, but everything ended in a moment."Police from Sector 34, who responded to the incident, said the Thar is registered to an address in Sector 21. However, the owner has sold the house, and the accused no longer lives there.

'Anaesthesia of death': How Bengaluru doctor's 'cure' became a crime

killed dermatologist wife in cold blood:

BENGALURU, Agency: A city-based surgeon was charged with murdering his wife, a Victoria Hospital dermatologist, by administering an overdose of an anaesthetic under the pretext of treating her.The autopsy report from the forensic science laboratory (FSL) completely changed the contours of the case, turning it from one of unnatural death to that of a cold-blooded murder, police said. The victim, Kritika M Reddy, 28, died in April this year, but police arrested the accused, Dr Mahendra Reddy G S, 31, only on Tuesday after the FSL report confirmed the presence of an anaesthetic in the viscera samples of Kritika.

The couple was married in March 2024.

Accused Mahendra is a surgical resident at the Institute of Gastroenterology Sciences and Organ Transplant (IGOT). He was remanded in seven-day police custody.

Doctor claimed he was trying to treat wife for gastro issues

Sharing details of the case, city police commissioner Seemant Kumar Singh said the FSL report clearly defined the presence of Propofol, an intravenous anaesthetic used to induce unconsciousness for surgery.

"We had registered a case of unnatural death. Now, her father, K Muni Reddy, has filed a fresh complaint, accusing his son-in-law of administering an overdose of the anaesthetic to kill the victim," the police official said.

Investigation revealed that Mahendra had moved Kritika to Cauvery Hospital in Marathahalli on April 24, saying she had fallen unconscious at their Munnekolal residence in Whitefield. However, doctors declared her brought dead.

As the doctors issued a death memo, autopsy was imperative, but Mahendra pleaded with Cauvery Hospital and police, asking them to refrain from an autopsy. He also made his father-in-law pitch a similar plea to police. Cops, though, went ahead with the autopsy.

ACP (east) Ramesh Banoth said: "According to the husband, he was trying to treat his wife who was suffering from gastrointestinal issues for a long time."

Andhra Pradesh woman raped, robbed at knifepoint on moving train in Telangana

HYDERABAD, Agency: A 25-year-old woman was allegedly raped and robbed at knifepoint in the ladies' compartment of the Santragachi Special Express (Train No. 07222), while she was travelling from Rajahmundry in Andhra Pradesh to Cherlapally on the outskirts of Hyderabad on Oct 13.

According to police, the incident took place on the moving train - between Guntur and Pedakurapadu stations - six stations from where the survivor boarded around 2pm.

On reaching her destination on Oct 14, she filed a complaint with the Secunderabad railway police, who registered a zero FIR.

The case was subsequently transferred to the AP police. Police said the survivor, belonging to Rajahmundry in east Godavari district, boarded the train to return to Hyderabad where she works as a domestic help.

She was alone in the ladies' coach when the train stopped at Guntur station around 7.05pm.

An unidentified man, roughly 40 years old, dressed in a black shirt and grey trousers, entered the coach despite her attempts to stop him.

"She told him that it was a ladies' compartment, but he cited tremendous rush in the other compartments, and requested her to let him inside for a short journey," an official of the railway police said.

In her complaint, the survivor claimed that the accused, soon after entering the compartment, latched the door from inside.

"He threatened her with a knife and raped her. He also punched her multiple times, injuring her face and other body parts," said inspector B Sai Eshwar Goud of the Secunderabad govt railway police (GRP).

Execution of Indian nurse on death row in Yemen stayed, nothing adverse happening: SC told

NEW DELHI, Agency: The Supreme Court was on Thursday informed that execution of Indian nurse Nimisha Priya, who is on death row in Yemen for murder, was stayed and nothing adverse was happening.

Attorney General R Venkataramani, appearing for the Centre, told a bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta that a new mediator has stepped into the matter.

"What has happened to the execution?" the bench asked.

The counsel appearing for petitioner organisation 'Save Nimisha Priya International Action Council', which is extending legal support to Priya, said the execution was stayed as of now.

"There is a new mediator who has stepped into the picture," Venkataramani said, adding, "The only good thing is, nothing adverse is happening".

The petitioner's counsel said the matter may be adjourned.

"List in January 2026. It will be

open for the parties to apply for early listing in case the situation so demands," the bench said.The top court was hearing a plea seeking direction to the Centre to use diplomatic channels to save the 38-year-old nurse, who was convicted of murdering her Yemeni business partner in 2017.On August 14, the apex court was informed by the counsel for the petitioner organisation that there was "no immediate threat" to Priya.Earlier, the top court was apprised that Priya's execution, which was scheduled for July 16, had been stayed.

Shimla goes green: MC launches e-waste collection drive

NEW DELHI, Agency: In a bid to make Shimla an e-waste-free city, the Municipal Corporation (MC), Shimla, in collaboration with the Rotary Club of Shimla, has launched a month-long e-waste collection drive across the town. Under the campaign, officials from the MC and Rotary Club members will collect discarded electronic items such as computers, televisions and mobile phones from households in all 34 wards under the Corporation's jurisdiction.

The Joint Commissioner, Shimla MC, said around one tonne of e-waste was collected from various parts of the city during the celebration of International E-Waste Day, organised by the Rotary Club. He appreciated the club's efforts in promoting environmental sustainability and expressed willingness to strengthen collaboration

for expanding this eco-friendly initiative.

Highlighting the environmental and health risks associated with improper e-waste disposal, he said, "e-waste releases toxic chemicals that are harmful not only to humans but also to animals. If not managed properly, it can affect brain development and cause serious health disorders such as memory loss and cancer."

The official further said the drive will be conducted in phases - initially focusing on hospitals and hotels before moving to residential areas. "Collection points will also be set up across the city. The e-waste gathered will be sent for recycling to ensure it can be reused responsibly," he added.

The MC had undertaken a similar initiative last year.

Medical report confirms repeated sexual abuse of Patiala schoolgirl

NEW DELHI, Agency: The medical examination of the eight-year-old girl has revealed repeated sexual abuse, three days after it was alleged that she was raped in school by a physical education teacher.

Following the police request, doctors will now send the DNA sample of the accused for medical examination.

The alleged incident took place at Auro Mirra School at SST Nagar here.

The FIR lodged on October 13 says the victim was repeatedly abused by the accused in school."The medical examination of the victim has revealed that she was sexually abused multiple times and a probe is on," said SP (City) Palwinder Cheema."We have questioned the school authorities and taken CCTV footage from the school. The victim has identified the accused, who was arrested earlier. A probe is on under the POCSO Act," Cheema said.

According to police sources, they are now seeking help from government counsellors and the district child protection office to ascertain if any other student faced harassment in school.

"We are trying to speak to parents and other students and have requested them to come forward if they have any such incident to share," a source said.Lahori Gate SHO Shivraj Singh said their teams had visited the school premises to collect evidence and question the authorities.

Rajbeer Kaur becomes first turbaned woman to join Canadian police

NEW DELHI, Agency: Rajbeer Kaur Brar (35), who hails from an agrarian family of Thandewala village near here, has become the first turbaned woman constable to join the Royal Canadian Mounted Police (RCMP) in Saskatchewan, Canada.

An MSc (IT) graduate from Guru Gobind Singh College for Women, Chandigarh, Rajbeer moved to Canada after her marriage in 2016.

From working at a Walmart store to briefly serving in the Canadian Reserve Army, her determination finally paid off

last year when she was selected for the RCMP. Having completed her training, she is now posted at Milestone, Saskatchewan.

Her husband, Satvir Singh, a mechanical engineer from Machaki Mal Singh village in Faridkot, works as a truck driver in Canada.

"When the RCMP officials handed over her uniform, they told her that she was the first turbaned woman in the force. We later confirmed it by searching online. She has kept the ethos of Sikhism alive abroad," said her proud brother Beant Singh Khalsa, who is into dairy farming.

In 1991, Baltej Singh Dhillon became the first RCMP officer to wear a turban.